26 जुलाई 2025
शनिवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

शराब पार्टी में हुआ विवाद, दोस्त ने युवक को मारी गोली, मौके पर मौत

2

युवाओं की लगातार मौतों से व्यवस्थागत विफलता उजागर, छात्रों की आत्महत्या पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

एजेंसी/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि आत्महत्याओं की वजह से लगातार जा रहीं युवाओं की जानें व्यवस्थागत विफलता को उजागर करती हैं। इस मुद्दे को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की ओर से 2022 में भारत में अचानक होने वाली मौतें और आत्महत्याएं शीर्षक से प्रकाशित आंकड़े बेहद चिंताजनक तस्वीर पेश करते हैं। पीठ ने कहा कि युवाओं की लगातार जा रही जानें एक व्यवस्थागत विफलता को दशार्ती है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ऐसे मामले अक्सर मनोवैज्ञानिक तनाव, पढ़ाई के बोझ, सामाजिक कलंक और संस्थागत असंवेदनशीलता जैसे रोके जा सकने वाले कारणों से होती है। इससे पहले शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को शैक्षणिक संस्थानों के लिए 15 बाध्यकारी दिशानिर्देश जारी किए। इनका पालन तब तक अनिवार्य रहेगा, जब तक सरकार छात्रों की आत्महत्याओं को रोकने के लिए कोई कानून या नियामक ढांचा नहीं बनाती। केंद्र और राज्य सरकारों को 90 दिनों में इस पर पालन रिपोर्ट पेश करनी होगी। पीठ ने विशाखापट्टनम में अपने छात्रावास की छत से गिरने के बाद संदिग्ध परिस्थितियों में मरने वाली 17 वर्षीय नीट उम्मीदवार के मामले का फैसला करते हुए यह दिशानिर्देश जारी किए। पीठ ने नीट अभ्यर्थी की मौत के मामले की सीबीआई से जांच कराने का आदेश भी दिया। दरअसल, पीठ आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के उस आदेश के खिलाफ अपील पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें विशाखापत्तनम में तैयारी कर रहे 17 वर्षीय राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) के अभ्यर्थी की अप्राकृतिक मृत्यु की जांच सीबीआई को सौंपने की याचिका खारिज कर दी गई थी। शीर्ष अदालत ने कहा कि एनसीआरबी के आंकड़ों से छात्रों की बढ़ती आत्महत्याओं का एक चिंताजनक पैटर्न सामने आया है। मानसिक स्वास्थ्य संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार का एक अभिन्न अंग है। पीठ ने कहा कि संकट की गंभीर प्रकृति को देखते हुए तत्काल अंतरिम सुरक्षा उपाय आज की जरूरत हैं, खासकर कोटा, जयपुर, सीकर, विशाखापत्तनम, हैदराबाद और दिल्ली जैसे शहरों में, जहां बड़ी संख्या में छात्र पढ़ने के लिए आते हैं।

- भारत में 2022 में आत्महत्या के 1,70,924 मामले दर्ज किए गए, 7.6 फीसदी लगभग 13,044 छात्रों है

भारत में लगातार छात्रों की आत्महत्या की संख्या में हो रही है बढ़ोत्तरी

भारत में 2022 में आत्महत्या के 1,70,924 मामले दर्ज किए गए, जिनमें से 7.6 फीसदी यानी लगभग 13,044 छात्रों की आत्महत्याएं थीं। पीठ ने जोर देते हुए कहा कि इनमें से 2,248 मौतें सीधे तौर पर परीक्षा में सफल न हो पाने की वजह से हुईं। एनसीआरबी के आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले दो दशकों में छात्रों की ओर से आत्महत्या के मामले 2001 में 5,425 से बढ़कर 2022 में 13,044 हो गए। पीठ ने कहा हि स्कूलों, कोचिंग संस्थानों, कॉलेजों और प्रशिक्षण केंद्रों सहित शैक्षणिक संस्थानों में आत्महत्याओं के बढ़ते मामलों को देखते हुए हम देश भर के छात्रों पर असर डालने वाले मानसिक स्वास्थ्य संकट की गंभीरता को स्वीकार करने और उसका समाधान करने के लिए बाध्य हैं। मानसिक स्वास्थ्य संकट की गंभीरता को स्वीकार करने और समाधान करने के लिए बाध्य है। इस पर सरकार को ध्यान देने की जरूरत है। तभी समस्या का समाधान हो सकता है।

मनोहरथाना ब्लॉक के पिपलोदी सरकारी स्कूल में प्रार्थना के दौरान हुआ हादसा

राजस्थान के झालावाड़ में स्कूल का भवन गिरा, दबकर आठ बच्चों की मौत

- प्रार्थना का समय सभी क्लास के बच्चों को स्कूल के ग्राउंड में इकट्ठा करने की बजाय कमरे में बैठा दिया था

एजेंसी/झालावाड़

राजस्थान के झालावाड़ में सरकारी स्कूल की बिल्डिंग का हिस्सा गिरने से 8 बच्चों की मौत हो गई है, वहीं 9 गंभीर घायल हैं। मनोहरथाना ब्लॉक के पिपलोदी सरकारी स्कूल की क्लास में शुक्रवार सुबह बच्चे बैठे थे, तभी कमरे की छत ढह गई और 35 बच्चे दब गए थे। ग्रामीणों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर मलबा हटाकर बच्चों को निकाला और अस्पताल में भर्ती कराया। मनोहरथाना हॉस्पिटल प्रशासन के अनुसार 5 बच्चों की मौत मौके पर ही हो गई थी। वहीं 2 ने इलाज के दौरान दम तोड़ा। हादसे को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दुख जताया है। उधर, मामले में शिक्षा विभाग ने स्कूल की हेड मास्टर समेत 5 टीचर को सस्पेंड कर दिया है। वहीं घटना की जिम्मेदारी के सवाल पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा- जिम्मेदार तो मैं ही हूं।

प्रार्थना के लिए सभी बच्चों को इकट्ठा किया था: गांववालों ने बताया- वहां सुबह से बारिश हो रही थी। प्रार्थना का समय हुआ तो सभी क्लास के बच्चों को स्कूल के ग्राउंड में इकट्ठा करने की बजाय कमरे में बैठा दिया, ताकि वे भीगे नहीं। इसके कुछ देर बाद छत गिर गई और 35 बच्चे दब गए। स्कूल में 2 टीचर भी मौजूद थे, लेकिन छत गिरने के वक्त बिल्डिंग से बाहर थे, वे सुरक्षित हैं। राजस्थान के झालावाड़ जिले के पिपलोदी गांव में शुक्रवार सुबह स्कूल की छत गिरने से दर्दनाक हादसा हुआ। यहां एक सरकारी स्कूल की बिल्डिंग की छत अचानक गिर गई, जिससे स्कूल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। प्रार्थना सभा के दौरान हुई इस घटना में 8 बच्चों की मौत हो गई है।

शिक्षा विभाग ने पांच शिक्षकों को निलंबित किया है। जानकारी के अनुसार स्कूल में हादसा उस वक्त हुआ जब प्रार्थना चल रही थी। हादसे के समय स्कूल के शिक्षक भवन के बाहर थे। जबकि छात्र स्कूल भवन के अंदर प्रार्थना कर रहे थे। इस वजह से शिक्षक हादसे का शिकार नहीं हुए हैं। इस हादसे में करीब 27 बच्चे घायल हुए हैं । इनमें से 8 की हालत गंभीर बताई जा रही है। गंभीर रूप से घायल बच्चों को झालावाड़ के अस्पताल में भर्ती किया गया है। जहां उनका इलाज चल रहा है। स्कूल की छत गिरने के बाद गांव वालों ने मलबे से बच्चों को निकालना शुरू किया। इसके बाद जेसीबी मशीन की मदद ली गई। स्कूल की छत काफी समय से जर्जर हो रही थी और लगातार हो रही भारी बारिश के बाद छत के गिरने का अंदेशा भी बना हुआ था। इसके बाद भी इस पर ध्यान नहीं दिया गया। नतीजा मासूम बच्चों की जान चली गई। गंभीर घायल बच्चों को झालावाड़ जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। मलबा हटाने में रेस्क्यू टीम के साथ ग्रामीण भी पूरी तरह से लगे रहे। झालावाड़ जिला कलक्टर अजय सिंह राठौर ने कहा कि सभी बच्चों को बाहर निकाल लिया गया है।

बोले शिक्षा मंत्री... राजस्थान में हजारों स्कूल जर्जर

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि हादसा दुर्भाग्यपूर्ण है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि राजस्थान में हजारों की संख्या में स्कूल बिल्डिंग्स जर्जर हालत में हैं। हम इस समस्या को गंभीरता से ले रहे हैं। सरकार ने स्कूल भवनों की मरम्मत के लिए 200 करोड़ रुपए जारी किए हैं। काम को चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है, ताकि सभी स्कूलों को सुरक्षित बनाया जा सके। शिक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि हर स्कूल भवन की मरम्मत तुरंत कर पाना संभव नहीं है, लेकिन जिन स्कूलों की स्थिति बेहद खराब है, वहां बच्चों को बैठाने पर पहले से रोक दी गई है। हम लगातार ऐसी सूचनाएं मंगवा रहे हैं और जिन भवनों को लेकर खतरे की आशंका होती है, उन्हें खाली कराया जाता है, उन्होंने स्पष्ट किया। संसद में बोले हनुमान बेनीवाल सांसद हनुमान बेनीवाल ने संसद में इस मुद्दे की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में सभी अफसरों और नेताओं के बच्चों को पढ़ाया जाना चाहिए।

मोदी सिर्फ शो-बाजी में माहिर: राहुल

एजेंसी/दिल्ली

दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में कांग्रेस की ओबीसी सेल ने भागीदारी न्याय सम्मेलन का आयोजन किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सम्मेलन में पीएम नरेंद्र मोदी की जमकर आलोचना की। राहुल ने भाषण के दौरान पार्टी के सदस्यों से पूछा कि आपको पता है, राजनीति में सबसे बड़ी प्रॉब्लम क्या है। कार्यकर्ताओं ने जवाब दिया कि पीएम मोदी। इस पर राहुल ने कहा कि नरेंद्र मोदी कोई बड़ी प्रॉब्लम नहीं हैं। मैं उनसे दो-तीन बार मिल चुका हूं। उनकी सिर्फ शो-बाजी हैं। उनमें दम नहीं है। उन्हें लोगों ने सिर पर चढ़ा रखा है। राहुल ने कांग्रेस शासित राज्यों में जाति जनगणना कराने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि मेरे काम में एक कमी रह गई। मुझे ओबीसी वर्ग की जिस तरह से रक्षा करनी थी मैंने नहीं की। 10-15 साल पहले मुझे ओबीसी के मुद्दे गहराई से नहीं समझ आए थे। अगर मुझे पता होता तो मैं उसी वक्त जातिगत जनगणना करवा देता। कांग्रेस सांसद ने कहा कि हम पहले जाति जनगणना नहीं करा सके। यह कांग्रेस की नहीं, मेरी गलती थी। मैं अब इसे सुधार रहा हूं। आप मेरी बहन प्रियंका से पूछिएगा कि अगर राहुल ने किसी काम के लिए मन बना लिया तो उस बात को वो छोड़ेगा या नहीं। मैं नहीं छोड़ने वाला। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सम्मेलन में कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी झूठों के सरदार हैं। झूठ बोलना उनका काम है। वे संसद में भी झूठ बोलते हैं।

12.97 करोड़ रुपये के सरकारी धन का गबन

चंडीगढ़। प्रवर्तन निदेशालय चंडीगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय ने नगर परिषद, भिवानी से संबंधित सरकारी धन के गबन के मामले में लगभग 3.46 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। ईडी के अनुसार, कुर्क की गई संपत्तियों में से 2.30 करोड़ रुपये की संपत्ति नगर परिषद, भिवानी के पूर्व अध्यक्ष और गबन के मास्टरमाइंड रण सिंह यादव की है। शेष संपत्ति अन्य बिचौलियों और सह-षड्यंत्रकारियों की है। ईडी ने नगर परिषद, भिवानी के विभिन्न अधिकारियों, एक निजी बैंक के अधिकारियों और अन्य निजी व्यक्तियों के खिलाफ नगर परिषद, भिवानी के गबन के लिए दर्ज एफआईआर करायी है।

गाजियाबाद में डिलीवरी बॉय बन ज्वेलरी शॉप से लूटें 35 लाख के गहने

एजेंसी/गाजियाबाद

गाजियाबाद में बदमाशों ने सुल्तानपुर की तरह ज्वेलरी शॉप में लूटपाट की। स्विगी और ब्लिंकिट डिलीवरी बॉय की ड्रेस में बाइक से 2 बदमाश पहुंचे। दोनों दुकान में घुसे और कर्मचारी को धमकाने लगे, तभी दुकान मालिक का बेटा पहुंच गया। बदमाशों ने दोनों की कनपटी पर पिस्टल लगा दी। दुकान से 20 किलो चांदी,125 ग्राम सोना और 20 हजार नकदी दो बैग में भर लिया। पिस्टल लगाकर दुकान मालिक के बेटे और कर्मचारी को दुकान के बाहर लाए और फिर बाइक पर बैठकर फरार हो गए। सोने और चांदी की कीमत करीब 35 लाख बताई जा रही है। घटना गुरुवार दोपहर साढ़े तीन बजे लिंक रोड थाना क्षेत्र के बृज विहार की है। पुलिस ने सराफा कारोबारी की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया। शॉप में लगे उऊळश में वारदात कैद हो गई। इसमें बदमाश रुमाल से मुंह बांधे और हेलमेट पहने दिख रहे हैं।बृज विहार में कृष्ण कुमार वर्मा की मानसी ज्वेलर्स के नाम से दुकान है। 2 साल पहले उन्होंने दुकान खरीदकर कारोबार शुरू किया। गुरुवार को साढ़े तीन बजे बाइक से 2 बदमाश पहुंचे। दोनों स्विगी और ब्लिंकिट डिलीवरी बॉय की ड्रेस पहने थे। जिससे किसी को उन पर शक न हो।

थानाध्यक्ष सहित सात पुलिस कर्मियों पर गिरफ्तारी का कोर्ट ने किया वारंट जारी

एजेंसी/मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर जिले में हथियार और नशीले पदार्थों की जब्ती से जुड़े एक मामले में पुलिस की लापरवाही सामने आई है। मामले में अदालत को ठोस सबूत नहीं सौंपने के चलते विशेष एनडीपीएस कोर्ट ने तत्कालीन थानाध्यक्ष समेत 7 पुलिसकर्मियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया है। जानकारी के मुताबिक इस आदेश को एनडीपीएस एक्ट संख्या-2 के विशेष न्यायाधीश नरेंद्र पाल सिंह ने जारी किया है। सभी आरोपी पुलिसकर्मियों की गिरफ्तारी की संभावना जताई जा रही है। गिरफ्तारी वारंट जिन पुलिसकर्मियों के खिलाफ जारी हुआ है, उनमें तत्कालीन थानाध्यक्ष, साहेबगंज अनुप कुमार, जांच अधिकारी पुरुषोत्तम यादव, गवाह संजय राय, सुरेंद्र राय,चौकीदार पिंटू कुमार, शत्रुघ्न राय और सिपाही अमित कुमार शामिल हैं। दरअसल, यह मामला 1 मई 2022 को साहेबगंज थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने कुख्यात अपराधी नथुनी सहनी को गिरफ्तार किया था। उसके पास से एक देसी कट्टा, पांच जिंदा कारतूस, तीन खोखे और झोले में दो किलो नेपाली चरस बरामद की गई थी। आरोप है कि आरोपी गंडक नदी बांध के पास रंगदारी के लिए फायरिंग कर रहा था।

बालू-शराब माफिया-गुंडा-बदमाश सदन में भेजेंगे तो मारपीट-गाली गलौज होगा ही : पीके

एजेंसी/पटना

बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बीते दिनों कहा था कि अगर चुनाव आयोग की ओर से एसआईआर में पारदर्शिता नहीं बरतती है तो महागठबंधन चुनाव का बहिष्कार करने पर विचार कर सकता है। हम यह फैसला सभी सहयोगी पार्टियों से चर्चा करने के बाद करेंगे। तेजस्वी यादव के चुनाव आयोग पर सवाल उठाने और बहिष्कार की धमकी देने पर प्रशांत किशोर ने कहा कि तेजस्वी सिर्फ धमकी ना दें, बहिष्कार करके दिखाये। वैसे लोकतंत्र में सभी नेता और दल अपना विचार रखने और अपना रास्ता चुनने के लिए स्वतंत्र हैं। जनसुराज पार्टी के संरक्षक प्रशांत किशोर ने यह बातें सुपौल में कही। उन्होंने कहा कि तेजस्वी को यदि लगता है चुनाव का बहिष्कार करना चाहिए तो करें धमकी देने की जरूरत नहीं है। तेजस्वी यादव धमकी क्यों दे रहे हैं बहिष्कार करें धमकी क्यों दे रहे हैं, ये उनका निर्णय है। लोगों का समर्थन जन सुराज को नहीं है, लोगों का समर्थन बदलाव के लिए है। जिनको भाजपा के डर से लालू और लालू के डर से भाजपा को वोट देना पड़ता है उनके लिए है।.प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार में यह समर्थन इसलिए है क्योंकि बिहार में एक नई व्यवस्था बने जहां बच्चों के लिए शिक्षा हो यहां से पलायन बंद हो यहीं रोजगार हो भ्रष्टाचार बंद हो।

दूषित स्थलों की पहचान और सफाई के लिए बनाए नए नियम

सेहत और पर्यावरण संरक्षण के लिए केंद्र सरकार की पहल

एजेंसी/नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने लोगों के स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के लिए बड़ी पहल की है। सरकार ने पूरे देश में दूषित स्थलों की पहचान करने और उनकी सफाई के लिए नए नियम बनाए हैं। केंद्र की ओर से जारी पर्यावरण संरक्षण (दूषित स्थलों का प्रबंधन) नियम, 2025 के तहत अब मिट्टी, तलछट और पानी में खतरनाक और विषाक्त पदार्थों के संपर्क को रोकने के लिए काम किया जाएगा। नए नियम लागू करने की वजह दूषित स्थलों की पहचान करने, प्रदूषण फैलाने वालों को जवाबदेह बनाना और जोखिम-आधारित उपचार के माध्यम से सफाई के लिए सिस्टम बनाना है। नए नियमों के तहत राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों और स्थानीय प्राधिकारियों को औद्योगिक गतिविधियों, ऐतिहासिक अपशिष्ट डंपों या सामुदायिक शिकायतों के आधार पर संदिग्ध दूषित स्थलों की पहचान करने और उन्हें सूचीबद्ध करने का अधिकार होगा। ऐसे स्थानों की मैपिंग की जाएगी और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड अपने ऑनलाइन पोर्टल से उन पर नजर रखेगा। सरकार ने कहा कि जब ऐसे स्थानों पर प्रदूषण अधिक मिलेगा तो उस स्थल को आधिकारिक तौर पर दूषित स्थल घोषित कर दिया जाएगा। साथ ही अनिवार्य रूप से सुधार किया जाएगा। नए नियमों में जिम्मेदार व्यक्ति को लेकर भी बात की गई है। इसके तहत ऐसा व्यक्ति, कंपनी या संस्था जो प्रदूषण फैलाने के लिए जिम्मेदार होगी उसको चिह्नित किया जाएगा। संबंधित राज्य बोर्ड को साइट के दूषित होने की सूचना प्रकाशित होने की तिथि से 90 दिनों के भीतर प्रदूषण के लिए जिम्मेदार व्यक्ति की पहचान करनी होगी। यदि ऐसे व्यक्ति पहचान नहीं की जा सकती है, तो सरकार विभिन्न संसाधनों का उपयोग करके सुधार के लिए धन मुहैया कराएगी। वहीं जिम्मेदार व्यक्ति पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य को होने वाली सभी प्रकार की क्षति के लिए उत्तरदायी होंगे।

कोरानसराय में सिंचाई संकट और बिजली कटौती के खिलाफ किसानों का फूटा गुस्सा

- कोरानसराय प्रमुख चौक पर दिया धरना
- किसानों ने कहा... सिंचाई के लिए बनाए गए सरकारी नलकूप भी वर्षों से बंद पड़े है

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव प्रखंड के कोरानसराय प्रमुख चौक पर गुरुवार को स्थानीय किसानों और विद्युत उपभोक्ताओं ने सिंचाई व्यवस्था की बदहाली और बिजली की लगातार कटौती के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन करते हुए एकदिवसीय धरना दिया। यह विरोध प्रदर्शन सर्वदलीय किसान मोर्चा के बैनर तले आयोजित हुआ, जिसकी अध्यक्षता किसान नेता संतोष दुबे ने व संचालन अगस्त उपाध्याय ने किया। धरने में उपस्थित दर्जनों किसानों ने सिंचाई विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया कि डुमरांव सिकरौल राजवाहा और भोजपुर डुमरांव राजवाहा में महीनों से पानी नहीं छोड़ा गया है। इस कारण क्षेत्र के किसान धान की रोपनी नहीं कर पा रहे हैं, जबकि खेत सूखने की कगार पर हैं। किसानों ने बताया कि सिंचाई के लिए बनाए गए सरकारी नलकूप भी वर्षों से बंद पड़े हैं, जिससे उनकी परेशानियां कई गुना बढ़ गई हैं।

धरना स्थल पर मौजूद किसान नेता संतोष दुबे ने कहा कि किसान इस देश के अन्नदाता हैं, लेकिन सरकार की नीतिगत उपेक्षा और प्रशासनिक लापरवाही ने उन्हें आत्महत्या की कगार पर ला खड़ा किया है। जब नहरों से पानी नहीं छोड़ा जा रहा और नलकूप भी खराब हैं, तो किसान आखिर फसल कैसे लगाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर जल्द ही दोनों रजवाहों में पानी नहीं छोड़ा गया, तो आंदोलन को जिला मुख्यालय तक ले जाया जाएगा। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार की आर्थिक मजबूती किसान देते है। किसान अपनी मेहनत से अनाज का उत्पादन करते है। जिससे लोगों की भूख मिटती है। परंतु सरकार किसानों को ही अनदेखा करते रहती है। सरकार को अपनी रणनीति बदलनी होगी। किसानों को प्राथमिकता देनी होगी। तभी देश का विकास हो सकता है। इसके लिए किसान संघर्षरत है।

बिजली के अभाव में लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त

बिजली कटौती को लेकर भी उपभोक्ताओं ने जमकर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने बताया कि डुमरांव और आसपास के इलाकों में हर दिन घंटों बिजली गुल रहती है, जिससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। दुकानदार, मजदूर, किसान सभी इस उमस भरी गर्मी में बेहाल हैं। धरने में उपस्थित अगस्त उपाध्याय ने कहा कि विभागों की लापरवाही अब बर्दाश्त से बाहर हो गई है। अगर जल्द ही बिजली आपूर्ति बहाल नहीं की गई और सिंचाई व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ, तो हम विद्युत कार्यालय का घेराव करेंगे। धरने में कई स्थानीय ग्रामीण व किसान नेता शामिल हुए, जिनमें प्रमुख रूप से सुगम तिवारी, विष्णु पासवान, अयोध्या प्रसाद, मुन्ना सिंह, ओम प्रकाश राम, संतोष कुमार, मुतुन यादव, विनोद तिवारी, शुभम कुमार, चंदन कुमार, भरत तिवारी, कृष्णा गुण, हलचल प्रसाद, मनजीत सिंह, मुकेश कुमार, नारायण शाह, मुकेश वर्मा, कृष्णा सोनार और निरंजन दुबे शामिल रहे। सभी प्रदर्शनकारियों ने एक स्वर में घोषणा की कि जब तक सरकार उनकी मांगों को पूरा नहीं करती, तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा। किसानों ने कहा कि उनकी लड़ाई केवल सिंचाई और बिजली की नहीं, बल्कि अपने अस्तित्व और भविष्य की है।

एक नजर

सीओ ने युवक पर सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने का दर्ज कराया एफआईआर

नावानगर। बासुदेवा थाना क्षेत्र में सरकारी कार्य में बाधा डालने तथा दुर्व्यवहार का गंभीर मामला सामने आया है। इस संबंध में नावानगर सीओ रानी कुमारी ने अमीरपुर गांव निवासी एक व्यक्ति के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सीओ ने थाने में दिए गए आवेदन में आरोप लगाया है कि अमीरपुर निवासी दिग्विजय सिंह बीते दिनों उनके कार्यालय में पहुंचे और सरकारी कार्य में न सिर्फ बाधा उत्पन्न की, बल्कि उनके साथ दुर्व्यवहार भी किया। उन्होंने बताया कि आरोपी ने कार्यालय में गाली-गलौज की। इस अप्रत्याशित घटना से कार्यालय का कार्य बाधित हुआ और कर्मचारियों में दहशत का माहौल उत्पन्न हो गया। इस संबंध में जब बासुदेवा थाना प्रभारी मधुबाला भारती से संपर्क किया गया तो उन्होंने पुष्टि करते हुए बताया कि सीओ रानी कुमारी द्वारा दिए गए लिखित आवेदन के आधार पर आरोपी दिग्विजय सिंह के विरुद्ध संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और विधिसम्मत कार्रवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों ने घटना को गंभीर मानते हुए कहा कि सरकारी कार्य में बाधा डालने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। वहीं, इस घटना के बाद अंचल कार्यालय परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को भी मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया जा रहा है।

डुमरांव एसडीपीओ का हुआ तबादला, बनाए गए अश्वारोही सशस्त्र बल आरा के डीएसपी

डुमरांव। डुमरांव एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी का तबादला हो गया है। गृह विभाग ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। उन्हें आरा अश्वारोही सशस्त्र पुलिस में डीएसपी बनाया गया है। हालांकि उनके जगह अभी किसी को डुमरांव का एसडीपीओ नहीं बनाया गया है। डुमरांव एसडीपीओ का पद फिलहाल खाली है। इसके अलावे मुजफ्फरपुर नगर की एसडीपीओ सीमा देवी को डुमरांव के हरियाणा फार्म स्थित बिहार विशेष सैन्य पुलिस बल - 04 का डीएसपी बनाया गया है। वहीं, बक्सर सदर के पूर्व एसडीपीओ धीरज कुमार को शेखपुरा का हेडक्वार्टर डीएसपी बनाया गया है। बता दें कि गृह विभाग ने डीएसपी रैंक के कुल 55 पुलिस पदाधिकारियों का तबादला किया है। माना जा रहा है कि यह तबादला विधानसभा चुनाव के मद्देनजर किया गया है।

छह महीने से वेतन नहीं मिलने पर आर्थिक संकट से जूझ रहे है केसठ के सात शिक्षक

केसठ। प्रखंड के सात शिक्षक इन दिनों घोर आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। बीते पांच से छह महीनों से वेतन भुगतान न होने के कारण हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि कुछ शिक्षकों के बच्चे स्कूल छोड़ घर बैठ गए हैं, तो किसी के घर फाइनेंसर रोजाना तगादा करने पहुंच रहे हैं। यह संकट केसठ प्रखंड के उन शिक्षकों का है, जो सक्षमता एक और सक्षमता दो के तहत विशिष्ट शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं। इन शिक्षकों में मुन्ना कुमार मध्य विद्यालय केसठ, सरोज कुमार मध्य विद्यालय केसठ, नाजीर हुसैन प्रा. वि. जमुवाटोला, अजय कुमार विक्रांत प्रा. वि. जमुवाटोला, राजू कुमार पाण्डेय कन्या प्रा. वि. बस स्टैंड केसठ, विद्यानंद सिंह मध्य विद्यालय रघुनाथपुर तथा पुष्पा कुमारी कन्या प्रा. वि. कतीकनार शामिल हैं। शिक्षक मुन्ना कुमार ने बताया कि उनका पुत्र बाहर पढ़ाई करता है, लेकिन पिछले कुछ महीनों से फीस न जमा कर पाने की वजह से उसे पढ़ाई छोड़कर घर लौटना पड़ा है। उन्होंने कहा, हम शिक्षक हैं, लेकिन खुद अपने बच्चे की पढ़ाई नहीं चला पा रहे ।

वोटर पुनरीक्षण में केसठ बना अव्वल, जिला में प्रथम स्थान पर

केटी न्यूज/केसठ

चुनाव आयोग के निर्देश पर चल रहे वोटर विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत केसठ प्रखंड ने बेहतरीन कार्य करते हुए अब तक 92 प्रतिशत डेटा अपलोड कर जिले में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है।

प्रखंड विकास पदाधिकारी लवकुश सिंह ने बताया कि केसठ प्रखंड में कुल 27,138 मतदाता चिह्नित थे। इनमें से 279 दोहरी प्रविष्टि, 1,054 शिफ्टिंग, तथा 822 मृत मतदाता पाए गए। इन प्रविष्टियों के निष्पादन के बाद कुल 24,967 सक्रिय मतदाताओं का डेटा सफलतापूर्वक अपलोड कर दिया गया है। वहीं, अभी तक 10 प्रतिशत ही कागजात मिल पाई है। इस कार्य को समयबद्ध एवं सफल बनाने हेतु प्रशासन द्वारा 26 बीएलओ, तीन सुपरवाइजर, और दो कार्यपालक सहायकों की टीम लगाई गई थी, जिन्होंने समर्पण और सजगता के साथ इस अभियान को अंजाम दिया।

बीडीओ ने सभी कर्मियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे प्रखंड की मेहनत का नतीजा है और आगे भी इस तरह के कार्यों में केसठ को अग्रणी बनाए रखने का प्रयास रहेगा। वहीं, इस संबंध में नोडल बीएलओ अजय कुमार विक्रांत ने कहा कि अन्य लोगों से कागजात मिलने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है खास कर दलितवस्ती वार्ड 3 और 9 में किसी भी लोगो के पास चयनित कागजात में कुछ नहीं है।

31 को मनेगा डुमरांव नगर देवी मां काली का वार्षिकोत्सव पूजन

डुमरांव। नगर देवी मां काली का भव्य आश्रम में वार्षिकोत्सव की तैयारी जोरों पर हैं। सावन शुक्ल सप्तमी तिथि 31 जुलाई गुरुवार को मां का वार्षिकोत्सव पूजन धूमधाम से मनाया जायेगा। इसके पूर्व से 25 जुलाई शुक्रवार से नगरवासी आस्था के महामंदिर में जल अर्पण की शुरूआत करेंगे। श्रद्धालुओं की भीड़ और आराधना को लेकर समिति के सदस्य पूरे दिन मंदिर परिसर में डटे रहते है।

युवक ने आत्मग्लानि में नगर थाना पहुंचकर पूरी घटना की दी जानकारी

शराब पार्टी में हुआ विवाद, दोस्त ने युवक को मारी गोली, मौके पर मौत

- शाम तक पीड़ित पक्ष द्वारा नहीं दर्ज कराया गया था एफआईआर
- नगर थाना क्षेत्र के मठिया मोहल्ला की है घटना
- आक्रोशितों ने पांच घंटे तक मुख्य सड़क को रखा जाम

केटी न्यूज/बक्सर

नगर थाना क्षेत्र के नया बाजार मुहल्ले में गुरुवार देर रात आपसी विवाद में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 25 वर्षीय राजू कुमार, पिता बीरबल यादव के रूप में हुई है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई, वहीं शुक्रवार सुबह परिजनों व स्थानीय लोगों ने करीब पांच घंटे तक चौसा-बक्सर मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। जिस कारण आवागमन पूरी तरह से प्रभावित हो गया था।

पुलिस सूत्रों के अनुसार गुरुवार रात लगभग 10 बजे राजू कुमार अपने तीन साथियों के साथ मुहल्ले में ही एक स्थान पर बैठकर शराब पी रहा था। इसी दौरान किसी बात को लेकर चारों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते-देखते मारपीट और फिर गोलीबारी में बदल गई। आरोप है कि एक युवक ने पास में रखी पिस्तौल निकालकर राजू पर फायर कर दिया। गोली लगने से राजू मौके पर ही गिर पड़ा और उसकी मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद तीनों युवक वहां से फरार हो गए। लेकिन देर रात उन्हीं में से एक युवक ने आत्मग्लानि में नगर थाना पहुंचकर पूरी घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रातभर छापेमारी पार्टी में शामिल तीन युवकों को हिरासत में ले पूछताछ कर रही है। घटना की जानकारी मिलते ही शुक्रवार सुबह करीब छह बजे परिजन और स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए। उन्होंने नया बाजार चौक के पास चौसा-बक्सर मुख्य सड़क को टायर जलाकर जाम कर दिया और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। करीब ग्यारह बजे तक जाम रखा गया था। प्रदर्शनकारी दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और एसपी को मौके पर बुलाने की मांग कर रहे थे।

वहीं दूसरी ओर जाम के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। मौके पर नगर थाना पुलिस पहुंची और प्रदर्शनकारियों को समझाने की कोशिश की, लेकिन लोग टस से मस नहीं हुए। हालात को देखते हुए आसपास के थानों की पुलिस को भी बुला लिया गया। इसके बाद डीएसपी गौरव पांडेय मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थानीय लोगों को समझाया-बुझाया। इसके बाद मामला शांत हुआ। इसके बाद जाम समाप्त हुआ।

नगर थानाध्यक्ष ने बताया कि हिरासत में लिए गए युवकों से पूछताछ की जा रही है। हत्या में प्रयुक्त हथियार की बरामदगी के लिए विशेष टीम गठित की गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए बक्सर सदर अस्पताल भेज दिया गया है।

बयान

शराब पार्टी के दौरान अचानक उनलोगों में विवाद हो गया। इसी विवाद में एक युवक ने दूसरे को गोली मार दिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हिरासत में लिए गए युवकों ने बताया कि सबकुछ अचानक हुआ, पूर्व से उनके बीच कोई विवाद नहीं था। वैसे पुलिस सभी बिंदुओं पर गहराई से पड़ताल कर रही है। जल्दी ही इस मामले का उद्भेदन कर लिया जाएगा।- **गौरव पांडेय, एसडीपीओ, बक्सर सदर**

बेटे की मौत का सदमा बर्दाश्त नहीं कर सकी मां, शव देख बिगड़ी तबीयत, इलाज के दौरान हुई मौत

केटी न्यूज/चौसा

एक मां के लिए सबसे प्रिय उसका पुत्र होता है। मां जान की बाजी लगा भी अपने पुत्र की रक्षा करती है और बेटे को खरोच तक आए तो मां को बर्दाश्त नहीं होता है। ऐसे में जवान बेटे का शव देखना किसी मां के लिए सबसे बड़ा सदमा होता है। इसी सदमें में एक मां ने मौत को गले लगा लिया। मामला मुफस्सिल थाना क्षेत्र के खरगपुरा गांव का है। इस गांव के निवासी नूर हसन के परिवार का है। उनके पुत्र इमामुल हसन की मौत 20 दिन पूर्व सउदी अरब में हो गई थी। गुरूवार की शाम उसका शव सउदी से पैतृक गांव लाया गया, जहां उसकी मौत की खबर मिलने के बाद से ही उसकी मां बेसुध हो वाराणसी के एक निजी अस्पताल में इलाजरत थी। शव आने पर मां को अंतिम दर्शन के लिए अस्पताल से गांव लाया गया, लेकिन बेटे का शव देखते ही मां इस सदमें को बर्दाश्त नहीं कर सकी तथा वहीं पर बेहोश हो गिर पड़ी तथा पलक झपकते ही उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद पीड़ित परिवार में कोहराम मच गया। बेटे के बाद मां की मौत के दोहरे सदमे से परिवार में मातम पसर गया है। जानकारी के अनुसार नूर हसन अंसारी के जुड़वा बेटे इमामुल हसन और एजाजुल हसन तीन महीने पहले ही बेहतर भविष्य की तलाश में सऊदी अरब गए थे। दोनों किसी निजी कंपनी में कार्यरत थे और घर की आर्थिक स्थिति सुधारने की कोशिश में लगे थे।मगर नियति को कुछ और ही मंजूर था। करीब 20 दिन पहले इमामुल हसन एक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका। उसकी मौत की सूचना जब परिवार को मिली, तो घर में कोहराम मच गया। मां आसिया खातून यह खबर सुनकर बेहोश हो गई और तबीयत बिगड़ने पर उन्हें वाराणसी के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। जब इमामुल का शव ताबूत में गांव पहुंचा। मां की नजर बेटे की ताबूत पर पड़ी वे वहीं बेहोश होकर गिर पड़ीं। अस्पताल ले जाने की तैयारी भी पूरी नहीं हो पाई थी कि उन्होंने भी अंतिम सांसें ले लीं।

राजपुर में संदिग्ध परिस्थिति में नवविवाहिता की मौत, केस दर्ज

केटी न्यूज/बक्सर

नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई है। घटना इटाढ़ी थाना क्षेत्र के बरहना गांव की है। मृतका की पहचान स्थानीय गांव निवासी चंदन कुमार यादव के 24 वर्षीय पत्नी शोभा कुमारी के रूप में हुई है। दोनों की शादी दो वर्ष पहले चन्दन हुई थी। मृतका मूल रूप से धनसोई थाना क्षेत्र के बभनवलिया गांव की रहने वाली थी। मृतका के पिता पप्पू यादव ने आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी बेटी की हत्या दहेज के लिए की गई है। पप्पू यादव के अनुसार, शुक्रवार दोपहर ससुराल पक्ष की ओर से फोन कर बताया गया कि शोभा की तबीयत बिगड़ गई है और उसे सदर अस्पताल लाया जा रहा है।

लेकिन जब वे वहां पहुंचे तो डॉक्टरों ने शोभा को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही मायके पक्ष के लोग इटाढ़ी थाने पहुंचे और हत्या की आशंका जताते हुए

केस दर्ज कराने की मांग की। पुलिस ने तत्काल शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और साक्ष्य संकलन के लिए एफएसएल की टीम को भी बुला लिया। इटाढ़ी थानाध्यक्ष सोनू कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और परिजनों के आरोपों को गंभीरता से लिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या जैसा प्रतीत हो रहा है, लेकिन मौत के सही कारण का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखकर मामले की छानबीन कर रही है।

प्रधान शिक्षक गोपाल राय का लक्ष्मीपुर विद्यालय में हुआ पदस्थापना

बक्सर। बिहार लोक सेवा आयोग से चयनित प्रधान शिक्षक गोपाल जी राय ने प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मीपुर में अपना पदभार ग्रहण किया। सदर प्रखंड अंतर्गत स्थित इस विद्यालय में उनके आगमन पर स्वागत समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय परिवार समेत कई गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन, शिव-पार्वती की झांकी, नृत्य नाटिका, सावन गीत किया प्रस्तुत

पाथवेज वर्ल्ड स्कूल में बच्चे-बच्चियों ने हर्षोल्लास से मना सावन उत्सव

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के पूर्वी गुमटी के समीप स्थित पाथवेज वर्ल्ड स्कूल में शुक्रवार को सावन उत्सव बड़े ही पारंपरिक और सांस्कृतिक अंदाज में मनाया गया। विद्यालय परिसर पूरी तरह से हरे रंग की सजावट और बच्चों की मुस्कान से खिल उठा। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने भक्ति और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की शुरूआत स्कूल की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत और नृत्य के साथ हुई, जिसने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इसके पश्चात एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए जिसमें शिव-पार्वती की झांकी, नृत्य नाटिका, सावन गीतों पर थिरकते कदम और विशेष तौर पर ष्सावन का झूला आकर्षण का केंद्र रहा। बच्चों ने पारंपरिक परिधान पहन सावन के झूले का भरपूर आनंद लिया। स्कूल परिसर में लगे झूले पर बच्चों की चहक पूरे माहौल को जीवंत कर रही थी। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में बिहार सेंट्रल स्कूल बक्सर के डायरेक्टर इंजीनियर आरबी सिंह और सामाजिक कार्यकर्ता उर्मिला देवी शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्घाटन पाथवेज वर्ल्ड स्कूल की प्रिंसिपल नेहा सिंह ने किया। संचालन रिंकी शर्मा ने किया। विद्यालय के डायरेक्टर इंजीनियर आर. राघवन ने कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में भारतीय संस्कृति, परंपरा और मूल्यों का बोध होता है, जो उनके सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है। कार्यक्रम में बच्चों ने पार्वती बोली भोले शंकर से, भोले तेरे रंग सांवला, मेरे भोले शंकर, छम-छम सावन में और सृष्टि को रचाया तूने जैसे भक्ति गीतों पर शानदार प्रस्तुतियां दीं। शिव-पार्वती के स्वरूप में सजे नन्हे-मुन्ने बच्चों की अदाएं देखकर उपस्थित माताएं अभिभूत हो उठीं।इस कार्यक्रम में निशांत, जिज्ञासु, सूरज, अनन्या, रवि, धनु, अंशिका, पलक सहित जूनियर व सीनियर वर्ग के कई छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समापन रेशम केशरी और शिवानी तिवारी ने किया। विद्यालय परिवार की ओर से बताया गया कि इस तरह के आयोजन न केवल बच्चों के रचनात्मक पक्ष को उजागर करते हैं, बल्कि सामाजिक और पारंपरिक जुड़ाव को भी मजबूत करते हैं। पूरे आयोजन में विद्यालय के शिक्षक, छात्र, अभिभावक और अन्य कर्मचारीगण मौजूद रहे और सभी ने इस सांस्कृतिक आयोजन का भरपूर आनंद लिया।

लालू यादव ने सत्यानंद भोक्ता पर क्यों जताया भरोसा? बीजेपी से आरजेडी तक हर पार्टी की रहे लाइफलाइन

रांची, एजेंसी। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) झारखंड के प्रधान महासचिव बनाए गए सत्यानंद भोक्ता राजनीति के क्षेत्र में एक कद्दावर नेता के रूप में जाने जाते हैं। भाजपा से लेकर राजद तक उन्होंने जिस पार्टी का दामन थामा, उसके साथ मजबूती से डटे रहे।

उन्हें हाल ही में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने राजद झारखंड प्रदेश के प्रधान महासचिव की कमान सौंपी है, ताकि पार्टी को राज्य में मजबूती से आगे बढ़ाया जा सके। मूल रूप से चतरा जिले के कारी गांव निवासी सत्यानंद भोक्ता का जन्म दो मई 1972 को हुआ था।

उनके पिता स्वर्गीय जगरनाथ भोक्ता व मां रमनी देवी तथा पत्नी परमा देवी हैं। महज इंटर तक की पढ़ाई करने वाले सत्यानंद भोक्ता चार बेटों के पिता हैं।

चतरा विधानसभा सीट पर सत्यानंद भोक्ता सबसे पहले वर्ष 2000 में भाजपा के टिकट से चुनाव लड़े और अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी राजद के जनार्दन पासवान को चुनाव में हराया। वर्ष 2003 में ये पहली बार पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री बने थे।

एक साल बाद ही तत्कालीन मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा के कार्यकाल में इनका मंत्रालय बदला और ये कृषि एवं गन्ना विकास मंत्री बने। वर्ष 2005 के विधानसभा चुनाव में भी इन्होंने भाजपा के टिकट पर चतरा से चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। तब वे सरकार में फिर से पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री बने।

वर्ष 2009 में ये सिमरिया विधानसभा सीट से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़े और वहां जेवीएम के जयप्रकाश सिंह भोक्ता से चुनाव हार गए। वर्ष 2014 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने उन्हें टिकट नहीं दिया तो वे पार्टी बदलकर झारखंड विकास मोर्चा (झाविमो) में शामिल हो गए।

वे झाविमो के टिकट पर चतरा में चुनाव मैदान में उतरे। जब जेवीएम के जयप्रकाश सिंह भोक्ता भाजपा में शामिल हो गए थे और वे भी चतरा से भाजपा के टिकट पर चुनाव मैदान में उतरे थे। इस चुनाव में भी सत्यानंद भोक्ता को हार का सामना करना पड़ा। वे भाजपा प्रत्याशी जयप्रकाश भोक्ता से चुनाव हार गए।

वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के पूर्व वे झाविमो छोड़कर राजद में शामिल हो गए। इसी वर्ष विधानसभा चुनाव में राजद ने उन्हें चतरा विधानसभा सीट पर अपना प्रत्याशी बनाया। उन्होंने यहां भाजपा के प्रत्याशी जनार्दन पासवान को हराया।

सत्यानंद भोक्ता वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में राजद कोटे के इकलौते विधायक बनकर विधानसभा में पहुंचे थे। हेमंत सोरेन की सरकार ने उन्हें अपने कैबिनेट में जगह दी और वे श्रम नियोजन एवं प्रशिक्षण मंत्री बने।

वर्ष 2022 में भोक्ता जाति एसटी में शामिल हो गई। चूंकि चतरा एससी सीट थी, इसलिए सत्यानंद भोक्ता चाहकर भी वहां से चुनाव नहीं लड़ सकते थे। उन्होंने इसका भी हल निकाला और अपने बेटे की शादी वर्ष 2023 में एससी जाति की लड़की रश्मि प्रकाश से कर दी।

उन्होंने वर्ष 2024 में अपनी बहू रश्मि प्रकाश को चतरा विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ाया, लेकिन वे जीत हासिल नहीं करा सके। इस सीट पर एनडीए प्रत्याशी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रत्याशी जनार्दन पासवान ने जीत हासिल की है।

संक्षिप्त समाचार

गुमला में साढ़े 3 साल की बच्ची के साथ हैवानियत, बाल सुधार गृह भेजा गया नाबालिग आरोपी

गुमला, एजेंसी। गुमला के डुमरी प्रखंड से एक हृदयविदारक घटना सामने आयी है. यहां एक 13 साल के नाबालिग ने साढ़े तीन वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया है. आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है. मामले की गंभीरता देखते हुए पुलिस ने तुरंत एक्शन लिया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है.

जानकारी के अनुसार, गुमला के डुमरी प्रखंड में साढ़े तीन वर्षीय बच्ची के साथ 13 वर्ष के किशोर ने दुराचार किया. इस संबंध में पीड़िता की मां ने डुमरी थाना में आरोपी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करायी है. डुमरी पुलिस ने मामला दर्ज कर अभियुक्त को हिरासत में लेकर बाल सुधार गृह भेज दिया है.

बता दें कि मामले में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार घटना 19 जुलाई की है. पीड़िता की मां अपनी बच्ची और पड़ोसी किशोर के साथ जंगल में आम तोड़ने गयी थी. आम तोड़ कर लौटने के क्रम में पीड़िता की मां को खुखड़ी दिख गया तो वह किशोर के पास अपनी बच्ची को छोड़कर खुखड़ी चुनने गयी. इस दौरान बच्ची को अकेला पाकर अभियुक्त किशोर ने दुष्कर्म किया. महिला जब खुखड़ी चुनकर लौटी, तब उसने किशोर को बेटी के साथ दुष्कर्म करते पकड़ा. अभियुक्त वहां से भाग गया. इस संबंध में घटना के दूसरे दिन गांव में पंचायत बुलायी गयी.

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रचार-प्रसार को जागरूकता रथ रवाना

गिरीडीह, एजेंसी। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से बुधवार को डीसी रामनिवास यादव ने समाहरणालय परिसर से जागरूकता रथ को रवाना किया.

यह जागरूकता रथ जिले के सभी प्रखंडों के पंचायत क्षेत्रों में घूम-घूमकर कृषक मित्रों व किसानों को फसल बीमा कराने हेतु जागरूक करने का कार्य करेगा. डीसी ने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का उद्देश्य किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है. इसका लाभ उठाने के लिए 31 जुलाई तक आवेदन जमा करने होंगे. जिले के किसान एक रुपए टोकन मनी जमा करके बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ ले सकते हैं. इच्छुक किसान अपना पंजीकरण नजदीकी प्रज्ञा केंद्र में जाकर कर सकते हैं. फसल बीमा के लिए आवेदन करने हेतु, किसानों को अपना आधार कार्ड, बैंक पासबुक की एक फोटोकॉपी, भूमि स्वामित्व संबंधी प्रपत्र, नोटरीकृत बटाईदारी प्रमाणपत्र (यदि लागू हो), स्व-प्रमाणित फसल बुवाई प्रमाणपत्र और एक मोबाइल नंबर सहित दस्तावेज़ जमा करने होंगे. अधिक जानकारी के लिए, किसान जिला सहकारी कार्यालय, निकटतम ब्लॉक कार्यालय या हेल्पलाइन नंबर 14447 पर संपर्क कर सकते हैं. डीसी ने कहा कि किसानों का प्रीमियम का हिस्सा राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा, शेष प्रीमियम राशि का भुगतान भारत सरकार एवं राज्य शासन द्वारा किया जाएगा।

स्कूल निरीक्षण के दौरान छात्र को जहरीले कीड़े ने काटा

रामगढ़, एजेंसी। रामगढ़ जिले के गांधी स्मारक प्लस टू आदर्श उच्च विद्यालय का डीसी फैज अक अहमद मुमताज ने गुरुवार को निरीक्षण किया। डीसी स्कूली बच्चों से पढ़ाई से संबंधित जानकारी ले रहे थे। इसी दौरान बगल वाली कक्षा में एक छात्र अभय कुमार को जहरीले कीड़े ने

काट लिया। छात्र के मुंह से झाग निकलने लगा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए रामगढ़ डीसी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए छात्र को अपनी गाड़ी में बैठाकर रामगढ़ सदर अस्पताल पहुंचाया। वहां छात्र अभय कुमार का इलाज किया जा रहा है।

छात्र की हालत स्थिर

रामगढ़ सिविल सर्जन की निगरानी में छात्र का इलाज चल रहा है। अभी छात्र की हालत स्थिर बताई जा रही है। इस घटना के बारे में स्कूल के प्रिंसिपल ने बताया कि डीसी औचक निरीक्षण कर रहे थे। निरीक्षण के दौरान ही छात्र को जहरीले कीड़े ने काट लिया था। छात्र की हालत बिगड़ती देख डीसी ने तुरंत उसे अपनी गाड़ी से अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका प्राथमिक उपचार किया जा रहा है।

कोडरमा में तस्वीरें लेने पहुंचा युवक, हाथी ने पैरों से कुचलकर मारा डाला

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा में बुधवार को हाथी के हमले में एक युवक की मौत हो गई। युवक हाथी की तस्वीर लेने के लिए उसके पास पहुंच गया था। इसी दौरान उसका पैर फिसला और युवक जमीन पर गिर गया। इसी बीच हाथी ने युवक को सूड से उठाकर कई बार जमीन पर पटक दिया फिर पैरों से कुचल कर मार डाला।

घटना मरकच्चो प्रखंड के बेलाडीह गांव की है। मृतक युवक की पहचान सद्दाम अंसारी (29) के रूप में की गई है। दरअसल, हाथियों का झुंड रात से ही चोपनाडीह के ग्रामीण इलाकों में घूम रहा था। सुबह में हाथियों ने दो लोगों की बाइक को नुकसान पहुंचाया था। इसकी सूचना गांव में मिलने के बाद सद्दाम कुछ युवकों के साथ हाथी की तस्वीरें लेने निकला। हाथी ने उन्हें खदेड़ना शुरू कर दिया। इससे अन्य युवक भाग निकले पर सद्दाम का पैर फिसल गया और वह वहीं गिर गया। हाथी ने उसे सूंड में उठाकर कई बार जमीन पर पटका और फिर पैरों तले कुचल दिया। इस हमले में सद्दाम की आंतें बाहर निकल गईं।

मौके पर जुटे ग्रामीणों के प्रयास से हाथी को वहां से भगाया गया। घायल सद्दाम को पहले कोडरमा सदर अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने के कारण उसे रांची के रिम्स रेफर कर दिया गया। रिम्स जाने के दौरान सद्दाम ने दम तोड़ दिया। जयनगर प्रखंड में इससे पहले हाथी चार लोगों की जान ले चुके हैं।

बताते चलें कि डोमचांच थाना क्षेत्र अंतर्गत जौनपुर पंचायत के ग्राम बहादुरपुर में मंगलवार रात में भी हाथियों ने उत्पात मचा रखा था। इस कारण से ग्रामीण दहशत में हैं। लोग भय के चलते रात भर सो नहीं पाए। महेंद्र पंडित और महावीर पंडित के केले के बागान को काफी नुकसान पहुंचाया और खेत में तार से किए गए घेराव को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। वहीं, प्रदीप पंडित के ईंट्ट की बाउंड्री वॉल को हाथियों द्वारा तोड़ कर खेत मे प्रवेश कर आम बगवानी को भी काफी नुकसान पहुंचाया गया।

28 जुलाई तक प्रदेश में भारी बारिश अलर्ट

राज्य में अब तक सामान्य से 52 प्रतिशत अधिक बारिश

रांची, एजेंसी। झारखंड में मानसून एक बार फिर एक्टिव हो गया है। मौसम विभाग ने झारखंड में 28 जुलाई तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान तेज हवा भी चल सकती है। आकाशीय बिजली गिरने की भी चेतावनी जारी की गई है।

रांची, खूंटी, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, बोकारो, धनबाद, जामताड़ा, देवघर और दुमका में भारी बारिश की संभावना है। आकाशीय बिजली गिरने का भी अलर्ट

मौसम विभाग के अनुसार, 25 जुलाई को पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां में तेज हवा और वज्रपात के साथ भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। इन जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

वहीं रांची, सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा, खूंटी, हजारीबाग, बोकारो, गिरिडीह, जामताड़ा, देवघर, कोडरमा, दुमका, साहेबगंज, पाकुड़ और गोड्डा में वज्रपात और मध्यम दर्जे की बारिश के मद्देनजर यलो अलर्ट जारी किया गया है।

26 जुलाई को रांची, गुमला, सिमडेगा,

खूंटी, सरायकेला, पूर्वी सिंहभूम और पश्चिमी सिंहभूम में भारी से बहुत भारी वर्षा और वज्रपात की चेतावनी है। मौसम विभाग ने लोगों से सतर्क और सावधान रहने की अपील की है।

27 जुलाई को लोहरदगा, गुमला और सिमडेगा में भारी बारिश और वज्रपात की आशंका के चलते ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। रांची, खूंटी, पश्चिमी सिंहभूम, लातेहार, गढ़वा और पलामू में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। इन जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, 28 जुलाई को भी ऐसी ही स्थिति बनी रह सकती है। इस बीच बुधवार को राज्य के कई हिस्सों में बारिश हुई। सबसे अधिक वर्षा बोकारो में 11 मिमी दर्ज की गई। रांची में दिन में हल्की और शाम को तेज बारिश हुई, जिससे कुल 5 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। देर रात चतरा, हजारीबाग, कोडरमा, रामगढ़ और रांची में भी बारिश हुई। 1 जून से 24 जुलाई तक राज्य में कुल 647.7 मिमी बारिश हो चुकी है, जबकि सामान्य वर्षापात 426 मिमी है। यानी झारखंड में अब तक 52 प्रतिशत अधिक वर्षा हो चुकी है। हालांकि लगातार बारिश के बावजूद राज्य में अब तक केवल 13 से 15 प्रतिशत ही धनरोपनी हो पाई है, जिससे खेती प्रभावित होने की आशंका बनी हुई है।

रिम्स में नहीं पड़ेगा मरीजों को भटकना! सेंट्रल लैब में 90 तरह की जांच शुरू, 1400 सीसीटीवी कैमरे से निगरानी

रांची, एजेंसी। झारखंड के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स में अब मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी। रिम्स प्रबंधन ने सेंट्रल लेबोरेट्री को मरीजों के लिए शुरू कर दिया है। रिम्स के निदेशक डॉक्टर राजकुमार ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि मरीजों को जांच की बेहतर सुविधा दिलाने के उद्देश्य से सेंट्रल लैब को शुरू किया गया है।

माफिया नहीं चाहते थे कि सेंट्रल लैब शुरू हो: रिम्स डायरेक्टर– रिम्स निदेशक डॉक्टर राजकुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि, सेंट्रल लैब में जांच की सुविधा चालू करने के लिए पिछले तीन बार डायरेक्टर के प्रयास विफल हुए थे। क्योंकि माफिया लोग नहीं चाहते थे कि सेंट्रल लैब शुरू हो। डॉ. राजकुमार ने बताया कि अब सेंट्रल लैब को शुरू कर दिया गया है, यहां 90 तरीके की जांच का लाभ मरीजों को मिल रहा है और फिलहाल 500 से अधिक मरीज, हर रोज जांच भी करा रहे हैं।

सेंट्रल लैब के लिए 6 काउंटर की सुविधा– रिम्स निदेशक डॉ. राजकुमार ने कहा कि लंबे समय से रिम्स में माफिया हावी थे लेकिन अब रिम्स में सुविधाएं बेहतर की जा रही हैं। सेंट्रल लैब के लिए 6 काउंटर बनाए गए हैं। पहले मरीज को 3 दिनों में रिपोर्ट मिलती थी, अब उन्हें एक दिन में ये सुविधा मिल रही है।

रिम्स में 70 से 80 फीसदी दवाएं उपलब्ध– रिम्स निदेशक ने दवाई की उपलब्धता पर कहा कि रिम्स के अंदर दवाओं की कोई कमी नहीं है। रिम्स के डायरेक्टर ने कहा कि 70प्रतिशत दवाइयां अस्पताल में मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि सर्जिकल उपकरण भी अस्पताल के अंदर उपलब्ध करा दिए गए हैं। इम्प्लांट के लिए भी मरीजों को सुविधा मिल रही है। रिम्स के डायरेक्टर ने आगे बताया कि अमृत फार्मेसी के कर्मियों को भी दवाइयां उपलब्ध कराने को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए हैं ताकि मरीजों को किसी तरह की कोई तकलीफ ना हो।

इमरजेंसी में बढ़ेगी सीट– रिम्स के निदेशक ने बताया कि अस्पताल में इमरजेसी में भीड़ को कम करने के लिए, ऑन्कोलॉजी विभाग के पहले माले पर 90 बेड बढ़ाये जाएंगे। रिम्स निदेशक ने जानकारी देते हुए कहा कि रिम्स में बहाली की प्रक्रिया लगातार चल रही है और नर्स स्टाफ की कमी दूर करने की व्यवस्था की जा रही है।

आरएमआई का ईओआई निकाला जाएगा: डॉ. राजकुमार– रिम्स निदेशक ने कहा कि रिम्स में आरएमआई की सेवा जल्द शुरू करने की कोशिश की जा रही है, जब तक यह शुरू नहीं हो जाता, तब तक के लिए रिम्स के 1.5 किलोमीटर परिधि में आने वाले आरएमआई सेंटर से गरीब मरीजों की जांच हो पाए, इसके लिए टेंडर निकाला जाएगा।

कम होंगे होमगार्ड के जवान: रिम्स निदेशक– रिम्स निदेशक ने कहा कि जीबी की बैठक में लिए गए फैसले के अनुसार, सुरक्षा में लगे होमगार्ड के जवानों को कम किया जाएगा। उन्होंने सीधे शब्दों में कहा कि जो भी होमगार्ड के जवान काम करने वाले हैं, वो ही यहां रहेंगे।

अगस्त में क्षेत्रीय नेत्र संस्थान शुरू होने की संभावना: रिम्स डायरेक्टर– निदेशक ने कहा कि रिम्स में अगस्त- सितंबर तक रीजनल नेत्र संस्थान काम करने लगेगा। इसके बाद न्यूरो सर्जरी विभाग में मरीजों को बेड नहीं मिलने की समस्या का भी समाधान हो जाएगा।

कॉमनवेल्थ और हाउस ऑफ कॉमन में सम्मानित हुए निदेशक– रिम्स निदेशक को न्यूरो सर्जरी के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने के लिए, कॉमनवेल्थ और हाउस ऑफ कॉमन से सम्मानित किए जाने पर रिम्सकर्मियों ने निदेशक को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि, इससे संस्थान और झारखंड के गौरव में इजाफा हुआ है।

झारखंड में जुबानी वार, बाबूलाल ने कहा- इरफान निकम्मे तो वह बोले- मरांडी गिरगिट

रांची, एजेंसी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी के बीच गुरुवार को बयान के तीर चले। मरांडी ने डॉ. इरफान अंसारी को निकम्मा करार दिया।

उन्होंने साहिबगंज की घटना का हवाला दिया, जहां एक बीमार किशोरी को खाट पर लादकर अस्पताल ले जाना पड़ा और मृत्यु के बाद शव को 10 किलोमीटर तक खाट पर ढोना पड़ा, क्योंकि एंबुलेंस उपलब्ध नहीं थी। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री पर गंभीर आरोप लगाए।

उन्होंने दावा किया कि एंबुलेंस संचालन की जिम्मेदारी मंत्री के करीबी को सौंप दी गई और सरकारी अस्पतालों में उनके अबोध बेटे का हस्तक्षेप हो रहा है। मरांडी ने कहा कि ऐसे निकम्मे स्वास्थ्य मंत्री न केवल सरकार, बल्कि जनता पर बोझ बन चुके हैं।

उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से स्वास्थ्य विभाग और एंबुलेंस सेवाओं की तत्काल समीक्षा करने और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की। मरांडी ने जोर देकर कहा कि स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार अब समय की मांग है। इसके जवाब में स्वास्थ्य, खाद्य आपूर्ति और आपदा प्रबंधन मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने मरांडी पर तीखा पलटवार किया।

उन्होंने मरांडी की राजनीति को गिरगिट की तरह रंग बदलने वाली करार दिया और कहा कि उनकी नकारात्मक सोच झारखंड की जनता के लिए सबसे बड़ा बोझ बन चुकी है।

इरफान अंसारी ने आरोप लगाया कि मरांडी का हमला इसलिए है क्योंकि वह अल्पसंख्यक समुदाय से हैं, जो उन्हें बर्दाश्त नहीं हो रहा। व्यंग्यात्मक लहजे में अंसारी ने कहा कि गिरगिट ने आत्महत्या कर ली, सुसाइड नोट में लिखा - इंसानों से ज्यादा रंग मैं नहीं बदल सकता। इरफान ने कहा कि मरांडी को अच्छे काम और विकास दिखाई नहीं देते, उनकी राजनीति हर काम में खामी निकालने और तारीफ से एलर्जी तक सिमट गई है। उन्होंने मरांडी से गंभीरता बरतने की अपील की, जो उनकी उम्र और ओहदे की मांग है।

पूर्व सीएम रघुवर दास को मिली डॉक्टरेट की मानद उपाधि, तेजस्वी और कांवड़ विवाद पर दिया बयान

गढ़वा, एजेंसी। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और ओडिशा के पूर्व राज्यपाल रघुवर दास को अब डॉ. रघुवर दास के नाम से जाना जाएगा। उन्हें यह मानद डॉक्टरेट उपाधि झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने प्रदान की। यह सम्मान पलामू के विश्रामपुर में रामचंद्र चंद्रवंशी विश्वविद्यालय के दूसरे दीक्षांत समारोह के दौरान दिया गया। इस अवसर पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

दीक्षांत समारोह में सम्मान– दीक्षांत समारोह में रघुवर दास ने विश्वविद्यालय परिवार को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह सम्मान उनके लिए गर्व का विषय है। उन्होंने शिक्षा और सामाजिक विकास में विश्वविद्यालय की भूमिका की सराहना की। समारोह में राज्यपाल संतोष गंगवार ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए आत्मनिर्भरता और नैतिकता पर जोर दिया।

तेजस्वी के बहिष्कार बयान पर प्रतिक्रिया– मीडिया से बातचीत में रघुवर दास ने बिहार के विपक्षी नेता तेजस्वी यादव के विशेष गहन पुनरीक्षण के मुद्दे पर दिए गए बयान पर टिप्पणी की। तेजस्वी ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में बहिष्कार की संभावना पर गठबंधन दलों से चर्चा की बात कही थी। इस पर दास ने कहा, कोई कितना भी गुमराह करने की कोशिश करे, जनता भटकने वाली नहीं है। जनता को अपने मताधिकार का उपयोग देश और राज्य के हित में करना चाहिए। ऐसी सरकार चुननी चाहिए जो जनता के लिए काम करे।

कांवड़ यात्रा पर विवादित बयान की निंदा– रघुवर दास ने एआईएमआईएम के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली के कांवड़ यात्रियों के खिलाफ दिए गए विवादित बयान की कड़ी निंदा की। शौकत अली ने कहा था कि कांवड़ियों को जेल में होना चाहिए। इस पर दास ने कहा, ऐसे उन्मादी बयानों से जनता गुमराह नहीं होगी। यह सनातन धर्म और आस्था का सवाल है। जनता ऐसे बयानों को समझती है और इनका जवाब देती है।

बाघमारा हिंसा पर सरकार को घेरा– बाघमारा में हाल की हिंसा पर रघुवर दास ने झारखंड सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, यह सरकार की कमजोरी है। ऐसे गंभीर मुद्दों पर सरकार को पहले से सचेत रहना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने सरकार से इस तरह के मुद्दों पर त्वरित कार्रवाई की मांग की।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पर टिप्पणी

झारखंड भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के चयन के सवाल पर रघुवर दास ने संक्षिप्त जवाब देते हुए कहा, भाजपा में पद मांगा नहीं जाता, पद मिलता है। उन्होंने इस मुद्दे पर ज्यादा टिप्पणी करने से परहेज किया।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम

दीक्षांत समारोह के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद थी। स्थानीय प्रशासन ने किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुख्ता इंतजाम किए थे। समारोह में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मंत्री इरफान अंसारी ने कहा- मैं बाबूलाल मरांडी का इलाज करूंगा

रांची, एजेंसी। राज्य की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था पर नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी द्वारा हाल के दिनों में की जा रही टिप्पणी पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है। स्वास्थ्य मंत्री ने नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी का इलाज करने तक की भी बात कही है। झारखंड मंत्रालय में कैबिनेट की बैठक के बाद स्वास्थ्य मंत्री ने मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने बाबूलाल मरांडी के द्वारा सोशल मीडिया पर साहिबगंज सहित राज्य के विभिन्न जिलों की सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था पर टिप्पणी किए जाने पर जमकर नाराजगी जताई।

उन्होंने कहा कि आदिवासियों को मैं बहुत सम्मान करता हूं, मगर बाबूलाल मरांडी ऐसा काम कर रहे हैं जिसपर लोग हंस रहे हैं। कहते हैं कि खाली दिमाग शैतान का होता है। वहीं स्थिति उनकी है, जो खालीपन के कारण कभी साहिबगंज में खटिया पर मरीज का वीडियो सोशल मीडिया पर जारी करते हैं तो कभी मोटरसाइकिल पर मरीज तो कभी 108 एंबुलेंस की बदहाल स्थिति को बताते हैं।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

संपादकीय

बक्सर, 26 जुलाई 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

सुभाषितम्

हमारी पहचान हमेशा हमारे द्वारा छोड़ी गई उपलब्धियों से होती है। -अमरीकी कहावत

भारतीय संसद में चुनाव आयोग के एसआईआर पर चर्चा क्यों नहीं

भारतीय संविधान ने लोकसभा और राज्यसभा के सदस्यों को स्वतंत्र रूप से अपनी भावना किसी भी विषय पर रखने के लिए अधिकार दे रखा है। संसद पर सांसद द्वारा जो पक्ष रखा जाता है, उस कथन को किसी भी अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती है। भारतीय संविधान की मूल भावना है, संसद सदस्य के रूप में संसद के अंदर कोई भी सदस्य अपनी बात किसी भी डर, भय के बिना रख सके। संसद में बहुमत के आधार पर फैसला होता है। संसद किसी भी विषय पर चर्चा कर सकती है। बिहार में चुनाव आयोग द्वारा जिस तरह से मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्य कर रहा है, उसके खिलाफ सभी विपक्षी दल एकजुट होकर संसद के अंदर चर्चा की मांग कर रहे हैं। सरकार और लोकसभा के अध्यक्ष चुनाव आयोग द्वारा की जा रही कार्रवाई पर चर्चा कराने के लिए तैयार नहीं है। सरकार और अध्यक्ष की ओर से स्पष्ट संदेश विपक्ष को दिया गया है। चुनाव आयोग के बारे में कोई चर्चा सदन के अंदर नहीं होगी, इसको लेकर विपक्ष के सभी राजनीतिक दल संसद के अंदर और संसद के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। कांग्रेस के वेणुगोपाल और अन्य संसद सदस्यों द्वारा दावा किया जा रहा, सरकार चर्चा के लिए तैयार नहीं होती है। जो सवाल चुनाव आयोग से पूछा जाता है उसका जवाब भाजपा देती है। यह एक असामान्य स्थिति है। विपक्षी दलों का कहना है, कर्नाटक, महाराष्ट्र, हरियाणा इत्यादि राज्यों में विधानसभा चुनाव के दौरान भारी गड़बड़ी चुनाव आयोग द्वारा की गई है। जानकारी मांगने पर भी चुनाव आयोग द्वारा जानकारी नहीं दी जाती है। मनमाने तरीके से नियम बनाए जा रहे हैं। बिहार में भी जिस नियम के तहत पुनरीक्षण का कार्य किया जा रहा है उसमें जिस आधार से दस्तावेज तैयार किए जाते हैं, उसी आधार को नकारा जा रहा है। केंद्रीय चुनाव आयोग अब निष्पक्ष और स्वतंत्र होने का दिखावा भी नहीं कर रहा है। वह सरकार के इशारे पर कार्य कर रहा है। चुनाव आयोग एक स्वतंत्र संवैधानिक निकाय है, जिस तरह से चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति सरकार द्वारा की जा रही है। चुनाव आयोग राजनीतिक दलों से चर्चा नहीं करना चाहता है। चुनाव आयोग को जो विशेष अधिकार मिले हुए हैं चुनाव आयोग द्वारा उसका दुरुपयोग किया जा रहा है। जो प्राकृतिक न्याय सिद्धांतों के खिलाफ है। चुनाव आयोग और सरकार द्वारा जिस तरह की गड़बड़ियां हो रही हैं, उससे बचने के लिए चुनाव आयोग स्वायत्ता के आधार पर लोकतंत्र को समाप्त करने जैसी कार्रवाई कर रहा है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रत्येक मतदाता के नागरिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है। केंद्रीय चुनाव आयोग को नागरिकता के मामले में जांच करने का कोई अधिकार ही नहीं है। सरकार का काम केंद्रीय चुनाव आयोग असंवैधानिक तरीके से कर रहा है। सरकार उसे संरक्षण दे रही है। केंद्रीय चुनाव आयोग मतदान और मतदाता से संबंधित शिकायतों तथा मांगी गई जानकारी राजनीतिक दलों से क्यों छुपा रहा है? जो उसे पिछले सात दशक से मिलती रही है। विपक्षी दलों का आरोप है कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से लेकर चुनाव कराने और परिणाम घोषित करने में केंद्रीय चुनाव आयोग सरकार के दबाव में काम कर रहा है। इस पर संसद सदस्य संसद के अंदर चर्चा करना चाहते हैं। सरकार चुनाव आयोग को बचाना चाहती है। लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति से सदस्यों को जो संरक्षण मिलना चाहिए वह नहीं मिल रहा है। जिस संसद में सदस्यों को बोलने का सर्वाधिकार है बोलने पर बंदिश क्यों लगाई जा रही है? विपक्षी राजनीतिक दलों के सदस्यों को बोलने नहीं दिया जाता है। माइक बंद कर दिए जाते हैं। इस तरह के आरोप पिछले कुछ समय से लग रहे हैं। अब तो विपक्षी दल आरोप लगाते हैं, भारत में संविधान एवं लोकतंत्र खतरे में है। विपक्षी दल चुनाव आयोग से जानकारी मांगते हैं जानकारी ना देना पड़े इसके लिए रातों-रात कानून बदल दिया जाता है।

चिंतन-मनन

उपयोगी हल

एक बार की बात है एक राजा था। उसका एक बड़ा-सा राज्य था।एक दिन उसे देश घूमने का विचार आया और उसने देश भ्रमण की योजना बनाई और घूमने निकल पड़ा। जब वह यात्रा से लौट कर अपने महल आया। उसने अपने मंत्रियों से पैरों में दर्द होने की शिकायत की। राजा का कहना था कि मार्ग में जो कंकड़ पत्थर थे वे मेरे पैरों में चुभ गए और इसके लिए कुछ इंतजाम करना चाहिए। कुछ देर विचार करने के बाद उसने अपने सैनिकों व मंत्रियों को आदेश दिया कि देश की संपूर्ण सड़कें चमड़े से ढंक दी जाएं। राजा का ऐसा आदेश सुनकर सब सकते में आ गए। लेकिन किसी ने भी मना करने की हिम्मत नहीं दिखाई। यह तो निश्चित ही था कि इस काम के लिए बहुत सारे रुपए की जरूरत थी। लेकिन फिर भी किसी ने कुछ नहीं कहा। कुछ देर बाद राजा के एक बुद्धिमान मंत्री ने एक युक्ति निकाली। उसने राजा के पास जाकर डरते हुए कहा कि मैं आपको एक सुझाव देना चाहता हूँ। अगर आप इतने रुपयों को अनावश्यक रूप से बर्बाद न करना चाहें तो एक अच्छी तरकीब मेरे पास है। जिससे आपका काम भी हो जाएगा और अनावश्यक रुपयों की बबार्दी भी बच जाएगी। राजा आश्चर्यचकित था क्योंकि पहली बार किसी ने उसकी आज्ञा न मानने की बात कही थी। उसने कहा बताओ क्या सुझाव है। मंत्री ने कहा कि पूरे देश की सड़कों को चमड़े से ढंकने के बजाय आप चमड़े के एक टुकड़े का उपयोग कर अपने पैरों को ही क्यों नहीं ढंक लेते। राजा ने अचरज की दृष्टि से मंत्री को देखा और उसके सुझाव को मानते हुए अपने लिए जूता बनवाने का आदेश दे दिया। यह कहानी हमें एक महत्वपूर्ण पाठ सिखाती है कि हमेशा ऐसे हल के बारे में सोचना चाहिए जो ज्यादा उपयोगी हो। जल्दबाजी में अप्रायोगिक हल सोचना बुद्धिमानी नहीं है। दूसरों के साथ बातचीत से भी अच्छे हल निकाले जा सकते हैं।

दुनिया की लाखों जिन्दगियां में जहर घोलता अकेलापन

-ललित गर्ग

हर छठा व्यक्ति अकेला है-यह निष्कर्ष विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ताजा रिपोर्ट का है, जिसने पूरी दुनिया को चिन्ता में डाला है एवं सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आखिर हम कैसी समाज-संरचना कर रहे हैं, जो इंसान को अकेला बना रही है। निश्चित ही बढ़ता अकेलापन कोई साधारण सामाजिक, पारिवारिक एवं व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि एक ऐसा वैश्विक मानसिक स्वास्थ्य संकट बनता जा रहा है, जो व्यक्तियों, समाजों, और व्यावसायिक संस्थानों को अंदर ही अंदर खोखला कर रहा है। दुनिया के करोड़ों लोग टूटे रिश्तों व संवादहीनता की स्थितियों में नितांत खामोशी का जीवन जी रहे हैं। गौर करे तो इंसान के भीतर की ये खामोशी लाखों जिंदगियां में महामारी के रूप में जहर घोल रही है। विडंबना यह है कि इस संकट का सबसे ज्यादा शिकार युवा हो रहे हैं। वृद्ध तो पहले से ही सामाजिक एवं पारिवारिक विसंगतियों में उपेक्षित है। निश्चय ही जीवन की विसंगतियां एवं विषमताएं बढ़ी हैं। कई तरह की चुनौतियां सामने हैं। पीढ़ियों के बीच का अंतराल विज्ञान व तकनीक के विस्तार के साथ तेज हुआ है।

डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट बताती है कि दुनिया की लगभग 16 प्रतिशत आबादी आज किसी न किसी रूप में अकेलेपन, सामाजिक अलगाव या भावनात्मक दूरी का शिकार है। यह स्थिति केवल वृद्धजनों तक सीमित नहीं रही, बल्कि युवाओं, कामकाजी पेशेवरों, और यहां तक कि बच्चों तक फैल चुकी है। डिजिटल युग में जहां सब कुछ ह्यकनेक्टेडह्व लगता है, वहीं इंसानी रिश्तों में एक अदृश्य दूरी, कृत्रिमता और आत्मीयता का अभाव देखने को मिल रहा है। सोशल मीडिया की आभासी दुनिया में हम जितने अधिक जुड़े हैं, उतने ही भावनात्मक रूप से अकेले हो गए हैं। व्यक्तिवादी सोच, सामाजिक दुष्प्रभाव एवं रिश्तों की बिखरती दीवारों में अकेलेपन का घातक प्रभाव सामाजिक ढांचे पर गहरे रूप में पड़ रहा है। पारिवारिक संबंधों में दरारें, विवाहों में असंतोष, और तलाक की बढ़ती दरें इसकी साफ निशानी हैं। युवा पीढ़ी में अवसाद, आत्महत्या की प्रवृत्ति और नशे की ओर झुकाव एक चिंताजनक ट्रेंड बन गया है। बुजुर्गों में अकेलेपन से उत्पन्न अल्जाइमर, डिमेंशिया और अन्य मानसिक रोग तेजी से बढ़ रहे हैं। अकेलापन केवल किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत कमजोरी नहीं है, बल्कि यह समाज की सामूहिक विफलता का संकेत है। जब हम तकनीक, दौड़ और स्वार्थ में इतने उलझ जाते हैं कि किसी के पास ह्यसुनने का समयह्व नहीं रहता, तब अकेलापन जन्म लेता है। अब समय आ गया है कि हम फिर से रिश्तों, संवाद और करुणा की दुनिया की ओर लौटें। अन्यथा अकेलापन, उदासी और असंतुष्टि की भावनाएं कचोटती रहेगी। मानो खुद के होने का एहसास, कोई इच्छा ही ना बची हो। तब छोटी-छोटी चीजों में छिपी खूबसूरती नजर ही नहीं आती। ऐसा प्रतीत होता है कि बहुत से लोग जिंदा हैं, पर जीवित होने के जादुई एहसास को कम ही छू पाते हैं। सोच के भौतिकवादी एवं सुविधावादी होने से हमारी आकांक्षाओं का आसमान ऊंचा हुआ है। लेकिन यथार्थ से साम्य न बैठा पाने से कुंठा, हताशा व अवसाद का विस्तार हो रहा है। जिसके चलते निराशा हमें एकाकीपन या अकेले होने की ओर धकेल देती है। निश्चित ही सोशल मीडिया का क्रांतिकारी ढंग से विस्तार हो रहा है। लेकिन इसकी हकीकत आभासी है, कृत्रिम है, दिखावटी है। हर कोई सोशल मीडिया मंचों पर हजारों मित्र होने का दावा करता है, लेकिन ये मित्र कितने संवेदनशील है? कितने करीब है? इन प्रश्नों का उत्तर नकारात्मक ही है, यथार्थ के जीवन में व्यक्ति बिल्कुल अकेला एवं गुमशुम होता है। आभासी मित्रों का कृत्रिम संवाद हमारी जिंदगी के सवालों का समाधान नहीं दे सकता, अकेलापन दूर नहीं कर सकता। निश्चित रूप से कृत्रिम रिश्ते हमारे वास्तविक रिश्तों के ताने-बाने को मजबूत नहीं कर सकते। विडंबना यह है कि कृत्रिमताओं के चलते कहीं न कहीं हमारे शब्दों की प्रभावशीलता में भी कमी आई है। जिससे व्यक्ति लगातार एकाकी जीवन की ओर उन्मुख होना लगा है। हमारे संयुक्त परिवारों का बदलता स्वरूप एवं एकल परिवारों का बढ़ता प्रचलन भी इसके मूल में है। पहले घर के बड़े बुजुर्ग किसी झटके या दबाव को सहजता से झेल जाते थे। सब मिल-जुलकर आर्थिक व सामाजिक संकटों का मुकाबला कर लेते थे। लेकिन अब बुजुर्ग एकाकीपन एवं अकेलापन से जूझ रहे है। केरल में इसी तरह के वृद्ध-संकट को महसूस करते हुए वहां की सरकार ने वरिष्ठ नागरिक आयोग बनाया है, जो एक सूझबूझभरा कदम है। आज वृद्धों को अकेलापन, परिवार के सदस्यों द्वारा उपेक्षा, दुर्व्यवहार, तिरस्कार, कटुक्तियां, घर से निकाले जाने का भय या एक छत की तलाश में इधर-उधर भटकने का गम हरदम सालता रहता। वृद्ध समाज इतना कुंठित, अकेला एवं उपेक्षित क्यों है, एक अहम प्रश्न है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार अनेक स्वस्थ एवं आदर्श समाज-निर्माण की योजनाओं को आकार देने में जुटी है, उन्हें वृद्धों को अकेलेपन को लेकर भी चिन्तन करते हुए वृद्ध-कल्याण योजनाओं को लागू करना चाहिए, ताकि वृद्धों की प्रतिभा, कौशल एवं अनुभवों का नये भारत-सशक्त भारत के निर्माण में समुचित उपयोग हो सके एवं आजादी के अमृतकाल में अकेलापन एक त्रासदी न बन सके। कामकाजी परिस्थितियों का लगातार जटिल होना एवं महंगी होती जीवनशैली ने अकेलापन के संकट को गहरा बनाया है। उन परिवारों में यह स्थिति और जटिल है, जहां पति-पत्नी दोनों कामकाजी हैं और बच्चे हॉस्टलों व बोर्डिंग स्कूल में रह रहे हैं। व्यावसायिक क्षेत्रों में भी काम का बोझ इंसानों को अकेला बना रहा है। कार्यालयों और कार्यस्थलों पर भी अकेलापन एक गंभीर चुनौती बन रहा है। कर्मचारी भावनात्मक जुड़ाव की कमी के कारण कार्य में रुचि नहीं लेते। टीम वर्क, इनोवेशन और सहयोग पर इसका नकारात्मक असर पड़ता है। अकेलापन लंबे समय तक बना रहा तो यह बर्नआउट, कार्य से असंतोष और कर्मचारी त्यागपत्र जैसी स्थितियों को जन्म देता है। इससे उत्पादकता में भी गिरावट आती है। मेकिन्से और डेलॉइट जैसी वैश्विक कंसल्टिंग फर्म्स की रिपोर्टें दशार्ती हैं कि अकेलापन कर्मचारियों की उत्पादकता को 15-20 प्रतिशत तक घटा सकता है, जिससे कंपनियों को अरबों डॉलर का नुकसान हो सकता है। अकेलेपन के इस संकट से निपटने के लिए व्यक्तिगत, सामाजिक और संस्थागत स्तर पर सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। परिवार, मित्रों और सहयोगियों के साथ समय बिताना ही असली ह्यसमृद्धिह्व है। कंपनियों और संस्थानों में कर्मचारियों की मानसिक और भावनात्मक स्थिति को समझने वाला नेतृत्व चाहिए। डिजिटल संवाद की जगह आमने-सामने संवाद, ह्यवर्क फ्रॉम होमह्व की जगह ह्यवर्क विद कम्युनिटीह्व को प्राथमिकता देनी होगी। ऑफिसों और समाज में काउंसलिंग, समूह चर्चा, मेडिटेशन, और योग को प्रोत्साहन दिया जाए।

17 वर्षीय अमर शहीद जगदीश प्रसाद वत्स की बलिदान गाथा

- डा. श्रीगोपालनारसन

17 वर्षीय जगदीश तिरंगे फैहराने की जिद पर अडिग रहा और उसने दौडते हुए जाकर दूसरा तिरंगा डाकधर पर फहरा दिया।

जो उम्र युवाओ की अपनी पढ़ाई कर बेहतर भविष्य के सपने बुनने की होती है ,उस मात्र 17 वर्ष की उम्र में छात्र जगदीश प्रसाद वत्स ने भारत मां को आजाद कराने के लिए सीने पर गोलियां खाकर देशप्रेम व बहादुरी का एक इतिहास लिख दिया था। 7 वर्षीय जगदीश प्रसाद वत्स,जिन्होंने सन 1942 में हरिद्वार के ऋषिकुल आयुर्वेदिक कॉलेज में पढ़ते हुए आजादी का बिगुल बजाया था। कालेज के छात्रों का नेतृत्व करते हुए 17 वर्षीय जगदीश प्रसाद वत्स ने तिंरगे झण्डे हाथ में लेकर अंग्रेज पुलिस को चुनौती देने का साहस किया था। 13 अगस्त सन 1942 की रात्रि में छात्रावास में हुई छात्रो की एक बैठक में 14 अगस्त को तिरंगे फैहराने के लिए सडको पर निकलने और भारत माता की जय, इंकलाब जिन्दाबाद के नारे लगाने के लिए, लिए गए निर्णय को अमलीजामा पहनाते हुए छात्रों का दल 14 अगस्त की सवेरे ही हरिद्वार की सडको पर निकल पडा था। पुलिस की छावनी के बीच भी जब छात्र जगदीश प्रसाद वत्स ने सुभाष धाट पर पहला तिरंगा फैहराया तो अंग्रेज पुलिस की एक गोली उनके बाजू को चीरती हुई निकल गई। धायल जगदीश ने धोती को फाडकर धाव पर बांध लिया और फिर दूसरा तिरंगा फैहराने के लिए डाकधर की तरफ दौड लगा दी। पुलिस की गोली चलने से बाकी छात्र तो तितर बितर हो गए थे, लेकिन 17 वर्षीय जगदीश तिरंगे फैहराने की जिद पर अडिग रहा और उसने दौडते हुए जाकर दूसरा तिरंगा डाकधर पर फैहरा दिया। वहां भी पुलिस ने गोली चलाई जो जगदीश के पैर में लगी। जगदीश ने फिर पटटी स्टेशन पर पहुंचकर पाइप के रास्ते उपर चढकर तीसरा तिरंगा फैहरा दिया। जैसे ही जगदीश तिरंगा फैहराकर नीचे उतरा तो राजकीय रेलवे पुलिस के इन्सपैक्टर प्रेम शंकर श्रीवास्तव ने उन्हे धेर लिया। जगदीश ने तांव में आकर एक थप्पड इन्सपैक्टर श्रीवास्तव को रसीद कर दिया, जिससे वह नीचे गिर पडा। इन्सपैक्टर ने नीचे पडे पडे ही एक गोली जगदीश को मार दी जो उनके सीने में लगी। तीसरी गोली लगते ही जगदीश मुछ्रिर्त हो गया। जिन्हे इलाज के लिए देहरादून सेना अस्पताल ले जाया गया। बताते है कि वहां जगदीश को एक बार होश आया था और उनसे माफी मांगने को कहा गया था परन्तु माफी न मांगने पर उन्हे कथित रूप में जहर का इंजेक्शन देकर उनकी हत्या कर दी गई। सहारनपुर जिले के ग्राम खजूरी अकबरपुर निवासी जगदीश वत्स का शव भी पुलिस ने उनके पिता पंडित कदम सिंह शर्मा को नही दिया था।उल्टे दुस्साहसी अंग्रेजो ने जगदीश वत्स को गोली मारने वाले पुलिस इन्स्पैक्टर प्रेम शंकर श्रीवास्तव को पुलिस मैडल प्रदान किया था। लेकिन देश आजाद होने पर प्रथम प्रधान मन्त्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने जगदीश वत्स की राष्ट्रभक्ति व वीरता की प्रंशसा करते हुए एक विजय ट्राफी वत्स परिवार को दी थी। जो धरोहर केरूप में आज भी सुरक्षित है। जगदीश वत्स की स्मृति में उनके गांव खजूरी अकबरपुर में एक जूनियर हाई स्कूल है जो स्थापना पचास वर्ष बाद भी हाई स्कूल और इंटर कॉलेज तक नही बन पाया, एक अस्पताल है ,जो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से आगे नही बढ़ पाया, एक सडक है,जो जीर्णशीर्ण हालत में अपनी बदहाली पर आंसू बहा रही है। वही हरिद्वार के भल्ला पार्क में सन्त ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी के सहयोग से शहीद जगदीश वत्स की प्रतिमा लगाई गई,जहां स्थानीय प्रशासन की अनदेखी के कारण अतिक्रमण व गन्दगी के पांव पसार लिए है ।अलबत्ता ऋषिकुल आयुर्वेदिक कालेज में उनकी प्रतिमा सम्माजनक रूप मे स्थापित है। इसी कॉलेज प्रतिवर्ष उनकी याद में एक वालीबाल टूनार्मेन्ट भी कराया जाता है।अमर शहीद जगदीश प्रसाद वत्स के परिवार में किसी भी आश्रित ने सरकार से स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी पेंशन या अन्य कोई सम्मान या सरकारी सहायता आज तक स्वीकार नही की जबकि जगदीश की शहादत के एक वर्ष के अन्दर उनके माता पिता की मृत्यु हो गई थी और घर में परिवार के नाम पर शहीद जगदीश की 15 वर्षीय छोटी बहन प्रकाशवती,13 वर्षीय छोटी बहन चन्द्रकला,10 वर्षीय छोटी बहन सुरेश वती और मात्र 5 वर्षीय छोटा भाई सुरेश दत्त वत्स रह गए थे। जिनके पालन पोषण की जिम्मेदारी 15 वर्षीय बहन प्रकाश वती पर आन पडी थी तो भी सरकारी सहायता को ठुकरा देना आजादी के बाद की यह एक बडी मिशाल है ।फिर भी सरकार चाहती तो शहीद जगदीश वत्स की स्मृति में उत्तर प्रदेश के जिला सहारनपुर अंतर्गत ग्राम खजूरी अकबरपुर में पचास वर्षों से चल रहे जगदीश प्रसाद स्मारक विद्यालय को जूनियर हाईस्कूल को पहले हाई स्कूल और फिर इंटर किया जा सकता है ।सही मायनों में जनपद सहारनपुर व हरिद्वार के एक मात्र शहीद जगदीश प्रसाद वत्स को मरणोपरांत भारत रत्न सम्मान मिलना चाहिए।क्या भारत सरकार या फिर उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड की सरकारें इस बाबत पहल कर इस शहीद को सम्मान दिलाएंगी या फिर देश के लिए यह शहादत यूं ही इतिहास के पन्नो में भूला दी जाएगी।

करोड़ों का सवाल : कौन बनेगा उप-राष्ट्रपति.... नीतीश या कोई ओर...?

- ओमप्रकाश मेहता

श्री जगदीप धनखड़ ने उप-राष्ट्रपति पद से अचानक इस्तीफा क्यों व किसके निर्देश पर दिया? यह सवाल तो अब पुराना हो गया है, बदलते राजनीतिक घटनाक्रम में अब अहम् सवाल यह है कि अगला उप- राष्ट्रपति कौन? क्या बिहार के विधानसभा चुनावों की राजनीतिक प्रतिष्ठा के दौर में वहां के मौजूदा मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार को यह पद सौंपा जा सकता है? इस प्रयोग से केन्द्र में सत्तारूढ़ भाजपा को दोहरी राजनीतिक उपलब्धि हो सकती है, एक ओर जहां बिहार के सशक्त नेता का भाजपा प्रवेश दूसरा बिहार में भाजपा की बढ़ती संभावनाएं, वैसे भी पिछले कुछ समय से मोरी और नीतीश के बीच राजनीतिक सौहार्द में अभिवृद्धि जगजाहिर हो रही है, इसलिए दिल्ली से पटना तक चल रहे मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम को पूर्णतः प्रायोजित समझना कतई गलत नही होगा और जहां तक जगदीप धनखड़ का सवाल उन्हें तो चंद घण्टों में ही सड़क पर अकेले खड़ा कर दिया गया है, यह मोदी की राजनीतिक कूटनीति का ताजा ज्वलंत उदाहरण है। वैसे भी इस पूरे राजनीतिक घटनाक्रम को सूक्ष्म नजरों से देखा जाए तो यह परिलक्षित होता है कि भाजपा एक कमजोर पार्टी नही कहलाना चाहती थी, पिछले एक साल से प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी केन्द्र में स्थिरता का आभास कराने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे है और उनके इस प्रयास में जो भी बाधा बनता है, उसे वे अलग-थलग कर देते है, दो न्यायाधीशों के महाभियोग के प्रकरण में चूंकि धनखड़ भी दिलचस्पी दिखा रहे थे, जो मोदी को बिल्कुल पसंद नही था, इसलिए यह घटनाक्रम घटित हुआ साथ ही धनखड़ ने राज्यसभा में विधायी कार्यों को नियंत्रित करने का प्रयास भी किया था, जो मोदी जी को पसंद नही था और इस कारण से यह पूरा राजनीतिक घटनाक्रम घटित हुआ और धनखड़ को उसका खामियाजा भुगतना पड़ा, नेतृत्व की नाराजी रातों-रात किसी राजनेता का क्या हश्र कर देती है, यह इसका सबसे बड़ा और ताजा उदाहरण है। हाँ, तो आज का मुख्य बिन्दू कौन बनेगा उप-राष्ट्रपति था, संविधान के नियमानुसार उप- राष्ट्रपति पति के इस्तीफें के बाद साठ दिवस की अवधि में नए उप- राष्ट्रपति का चुनाव होना चाहिए, इसलिए सितम्बर अंत तक नया उप- राष्ट्रपति चुनना मौजूदा नरेन्द्र मोदी सरकार की पहली प्राथमिकता होगी, जिसके लिए प्रयास शुरू हो गए है और अब इस पद के लिए नीतीश कुमार जी का नाम ही सुर्खियों में है, जिनको मूर्तरूप देने के बाद बिहार में भाजपा का दमखम बढ़ सकता है और तीन-चार चुनाव में भाजपा की संभावनाएं बलवती हो सकती है।....और मोदी के इस प्रयोग से भाजपा और उनकी केन्द्र सरकार दोनों को ही राजनीतिक लाभ हासिल हो सकता है। इस राजनीतिक घटना के तारतम्य में यदि यह कहा जाए कि मोदी जी ने तीन साल बाद होने वाले लोकसभा चुनावों के लिए अपनी जड़े अभी से मजबूत करना शुरू कर दिया है तो कतई गलत नही होगा, क्योंकि मोदी के राजनीतिक भविष्य को लेकर अभी से विभिन्न क्षेत्रों में कयासों का दौर शुरू हो गया है, कहा तो यहां तक भी गया कि यदि 75 का बंधन सामने आया तो स्वयं मोदी जी प्रधानमंत्री पद अपने विश्वस्त सहयोगी को सौंप कर स्वयं उप- राष्ट्रपति बन सकते है, लेकिन मौजूदा राजनीतिक दौर में यह कयास राजनीतिक पंड़ितों के गले नही उतर रहा है।

आज का राशिफल

मेष व्यापार के मामले में कोई निवेश करने का विचार बना रहे हैं, तो पहले अच्छी तरह हर पक्ष को जरूर देख लें।

वृषभ आज व्यापार के मामले में आपके दूर तक सोचने वाला व्यवहार कामकाज पर में भी नजर आएगा।

मिथुन आज कार्यक्षेत्र में वातावरण सुधरता नजर आ सकता है। जिससे आपका तनाव कम होगा।

कर्क अगर आपके कुछ जरूरी कार्य या लाभ कहीं बीच में अटके हुए थे तो अब सारी बाधाएं दूर हो सकती हैं।

सिंह आज आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। अगर आपके जरूरी कार्यों में देरी हो रही है, तो इसका तनाव न लें।

कन्या आज अपने अधूरे कार्यों को समय पर पूरा करना होगा तभी सफलता प्राप्त होगी।

तुला परिस्थितियां संभाली जा सकती हैं और बेहतर लाभ प्राप्त होने की भी संभावना है।

वृश्चिक आज धन लाभ के भी अच्छे योग बन सकते हैं, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

धनु कार्यक्षेत्र में कामकाज अच्छा चलेगा। नौकरी करने वालों के लिए भी समय अनुकूल है।

मकर आज किसी व्यक्ति के साथ आपका विवाद चल रहे है तो उसे बातचीत के जरिए सुलझाना होगा।

कुंभ आज आपको अपने आसपास के सही और गलत लोगों के बीच में पहचान करनी होगी।

मीन किसी चीज के बारे में सोचने से मानसिक तनाव बढ़ सकता है या स्वास्थ्य भी खराब हो सकता है।

विशेष

कमंडल ने थामा मंडल का साथ

भारत के कुल मतदाताओं में 16 से 17 फीसदी मतदाता दलित वर्ग से आते हैं। सबसे ज्यादा दलितों की संख्या पंजाब मैं 33 फीसदी, उसके बाद बिहार मैं 20 फीसदी और उत्तर प्रदेश में 19 फीसदी है। अन्य राज्यों में भी दलितों की आबादी 15 फीसदी से ज्यादा है। 1990 में जब मंडल कमीशन बना था। उस समय दलितों को कुछ साल विशेष तरजीह मिली। भाजपा के कमंडल ने दलितों को पीछे छोड़ दिया। अब एक बार फिर दलितों के ऊपर कमंडल का ध्यान गया है। राम मंदिर बन जाने के बाद कमंडल कमजोर हो गया है। इसलिए कमंडल वालों ने भी मंडल को थाम लिया है।

नरेंद्र मोदी का आत्मविश्वास आश्चर्यजनक

सत्ता पक्ष और विपक्ष के लिए मानसून सत्र अपने अस्तित्व को बनाए रखने का है। सत्ता पक्ष और विपक्ष आर-पार की लड़ाई लड़ेगा। विपक्ष ने सरकार को घेरने के लिए इस बार तगड़ी रणनीति बनाई है। संसद के सत्र में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल मिलकर और अलग-अलग सरकार के ऊपर हमले करेंगे। कांग्रेस ने सोनिया गांधी को लोकसभा की कमान सौंप दी है। लोकसभा और राज्यसभा मे इंडिया गठबंधन की कमान राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे संभालेंगे। सभी राजनीतिक दल अपने-अपने मुद्दों को लेकर अलग से सत्ता पक्ष पर प्रहार करेंगे। सारा विपक्ष इसमें सहयोग करेगा।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1848 : इंग्लैंड के राजनेता आर्थर जे. बेल्फोर का जन्म हुआ. 1907: जापान ने कोरिया पर संरक्षण का अधिकार हासिल कर लिया. 1943: द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान इटली के बेनिटो मुसोलिनी को पद से इस्तीफा देना पड़ा. 1953: फ्रांस नरेश हेनरी चतुर्थ रोमन कैथोलिक बने. 1955: भारत ने पुर्तगाल से दिल्ली स्थित अपना कार्यालय बंद करने को कहा. 1963: अमरीकी सोवियत संघ ब्रिटेन के वायुमंडल अंतरिक्ष और पानी के भीतर परमाणु परीक्षण निषेध संधि पर हस्ताक्षर किए. 1971: डॉ. किश्चियन बर्नार्ड ने केपटाउन में एक व्यक्ति में हृदय और दोनों फेफड़े का प्रत्यारोपण किया. 1982: ज्ञानी जैलसिंह ने राष्ट्रपति पद की शपथ ली. 1987: वेंकटरामन द्वारा राष्ट्रपति पद की शपथ. 1990: साइबेरिया के विद्रोहियों ने मोनोरोविया के हवाई अड्डे पर हमला कर उसका संपूर्ण विश्व से संबंध काट दिया.

दैनिक पंचांग

जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	07.10 बजे से
चंद्र	कर्क में	कन्या	09.22 बजे से
मंगल	सिंह में	तुला	11.33 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	13.48 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	16.04 बजे से
शुक्र	वृष में	मकर	18.09 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.55 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	21.28 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.59 बजे से
राहुकाल	10.30 से 12.00 बजे तक	वृष	00.39 बजे से
		मिथुन	02.37 बजे से
		कर्क	04.50 बजे से

2025 वर्ष का 206 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082
शक संवत् 1947
मास श्रावण **पक्ष** शुक्ला
तिथि प्रतिपदा 23.24 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुष्य 16.01 बजे को समाप्त।
योग वज्र 07.28 बजे को समाप्त।
करण किंस्तुघ्न 11.58 बजे तदनन्तर बव 23.24 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 0.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 19° 38'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872416
जूलियन दिन 2460881.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम
तारीख 29

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55 से	07.23 बजे तक		रोग	05.38 से	07.1	बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक		काल	07.11 से	08.43 बजे तक	
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक		लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक	
काल	10.19 से	11.47 बजे तक		उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक	
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक		शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक	
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक		अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक	
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक		चर	02.51 से	04.23 बजे तक	
चर	04.10 से	05.38 बजे तक		रोग	04.23 से	05.55 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

रुद्राक्ष की माला धारण करने के बाद इन बातों का जरूर रखें ध्यान

भगवान शिव के प्रिय माह सावन में रुद्राक्ष धारण करने पर इससे जुड़े कुछ नियमों का पालन जरूर करना चाहिए। रुद्राक्ष पहनने वाले व्यक्ति को दीर्घायु का आशीर्वाद मिलता है और उसके तेज की वृद्धि भी होती है।

रुद्राक्ष को काफी पवित्र माना जाता है। मान्यता है कि रुद्राक्ष धारण करने से भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है। ऐसे में इसे धारण करने से लेकर इसे पहनने के बाद भी कई नियमों का पालन करना जरूरी होता है। साथ ही कुछ परिस्थिति में भी रुद्राक्ष पहनने की मनाही होती है।

सनातन धर्म में रुद्राक्ष को विशेष स्थान प्राप्त है। इसे भगवान शिव के प्रतीक के तौर पर देखा जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान शिव के आंसुओं के रुद्राक्ष का निर्माण हुआ था। मान्यता है कि रुद्राक्ष की माला धारण करने से सभी कष्टों से मुक्ति मिलती है। हालांकि, रुद्राक्ष धारण करने के कई नियम भी है।

इन्हें नहीं धारण करना चाहिए रुद्राक्ष

गर्भवती स्त्री

ज्योतिष के अनुसार गर्भवती महिला को रुद्राक्ष धारण नहीं करना चाहिए। अगर रुद्राक्ष की माला पहले से पहन रखी है तो, गर्भवती होने के बाद इसे उतार देना चाहिए। बच्चे के जन्म बाद दोबारा रूद्राक्ष धारण कर सकते हैं।

तामसिक भोजन करने वाले व्यक्ति

ऐसे व्यक्ति तो तामसिक भोजन, यानी शराब और मांस का सेवन करते हैं, उन्हें रुद्राक्ष धारण नहीं करना चाहिए। माना जाता है कि इससे रुद्राक्ष अपवित्र हो जाता है, जिससे भविष्य में अशुभ परिणाम मिलते हैं।

सोने के दौरान

सोते समय भी रुद्राक्ष धारण नहीं करना चाहिए। यदि आप सोने के दौरान तकिए के नीचे रुद्राक्ष रखकर सोते हैं, तो इससे बुरे सपने नहीं आते।

ये हैं नियम

- रुद्राक्ष धारण करने से पहले इसके मूल मंत्र का 9 बार जाप करें।
- रुद्राक्ष धारण के बाद मांस-मदिरा का सेवन नहीं करना चाहिए।
- शमशान घाट जाने से पूर्व रुद्राक्ष को उतारकर रख देना चाहिए
- रुद्राक्ष उतारने के बाद इसे पवित्र स्थान पर ही रखना चाहिए।
- रुद्राक्ष की माला का धागा लाल अथवा पीले रंग का होना चाहिए।
- महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान रुद्राक्ष पहनने से बचना चाहिए।
- अपनी रुद्राक्ष माला को किसी अन्य व्यक्ति को नहीं देना चाहिए।

हरियाली तीज कब है, जानें सही तिथि शुभ मुहूर्त और महत्व

सावन में पड़ने वाली हरियाली तीज का बहुत महत्व है। इस दिन सुहागिन महिलाएं अपनी पति की लंबी आयु के लिए व्रत करती हैं। हरियाली तीज का व्रत रखने से कुंवारी कन्याओं को मनचाहे वर की प्राप्ति होती है। देवी पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए घोर तपस्या की थी। तभी से यह व्रत रखा जाने लगा।

हिंदू धर्म में हरियाली तीज पर्व का विशेष महत्व है। वहीं हरियाली तीज, जिसे सावन तीज या कुमार पक्ष की तीज के नाम से भी जाना जाता है। यह त्योहार भगवान शिव और देवी पार्वती के विवाह का प्रतीक है। यह त्योहार हर साल सावन महीने के दौरान शुक्ल पक्ष की तीसरी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती हैं और विधिवत रूप से पूजा-पाठ करती हैं। ऐसा कहा जाता है कि इस दिन व्रत रखने से सुहागिन महिलाओं को सुख और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। हरियाली तीज का त्योहार पूरे भारत में बड़े उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जाता है। यह त्योहार प्रेम, विवाह और पर्यावरण के प्रति भक्ति का प्रतीक है। अब ऐसे में इस साल हरियाली तीज कब है। हरियाली तीज के दिन पूजा का शुभ मुहूर्त क्या है और इस दिन व्रत रखने का महत्व क्या है।

हरियाली तीज कब है?

हरियाली तीज 2025 में 27 जुलाई, रविवार को मनाई जाएगी। हिंदू पंचांग के अनुसार, सावन शुक्ल तृतीया तिथि 26 जुलाई को रात 10 बजकर 41 मिनट पर शुरू होगी और यह तिथि 27 जुलाई को रात 10 बजकर 41 मिनट तक रहेगी। उदया तिथि के अनुसार, हरियाली तीज 27 जुलाई को मनाई जाएगी। इस दिन रवि योग का शुभ संयोग भी बन रहा है, जो शाम 4 बजकर 23 मिनट से शुरू होकर 28 जुलाई को सुबह 5 बजकर 40 मिनट तक रहेगा। रवि योग में पूजापाठ करना और व्रत रखना बहुत ही शुभ फल देने वाला माना जाता है।

हरियाली तीज व्रत का महत्व क्या है?

सावन माह में ही भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए माता पार्वती ने तपस्या की थी और निर्जला व्रत किया था। इसके पश्चात शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि के दिन ही मां पार्वती के कठोर तप और निर्जला व्रत से प्रसन्न होकर भगवान शिव उनके सामने साक्षात प्रकट हुए थे और उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया था। तभी से इस सावन माह में ऐसा कहा जाता है कि जो व्यक्ति हरियाली तीज के दिन व्रत रखता है और पूजा-पाठ करता है। उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती है।

हरियाली तीज के दिन पूजा थाली में जरूर शामिल करें ये चीजें, व्रत का मिलेगा पूर्ण फल

सुपारी श्री गणेश का प्रतीक मानी जाती है और श्री गणेश भगवान शिव एवं माता पार्वती के पुत्र हैं। ऐसे में संतान प्राप्ति की इच्छा रखने वाली सुहागिनों को हरियाली तीज की पूजा में सुपारी रखनी चाहिए। हिन्दू पंचांग के अनुसार, साल में कुल 3 तीज मनाई जाती हैं। इन्हीं में से एक है हरियाली तीज जो इस साल 27 जुलाई को पड़ रही है। हरियाली तीज के दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा होती ई। ऐसे में पूजा की थाली तैयार करते समय कुछ चीजों को जरूर शामिल करना चाहिए।

हरियाली तीज पर पूजा थाली में रखें पान के पत्ते

पान के पत्ते में भगवान विष्णु का वास माना गया है। इसके अलावा, पान के पत्ते का मध्य भाग मां लक्ष्मी का स्थान है। वैवाहिक जीवन के सभी रीति-रिवाज भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी के सानिध्य में होते हैं। ऐसे में हरियाली तीज पर पूजा थाली में पान के पत्ते अवश्य शामिल करें।

हरियाली तीज पर पूजा थाली में रखें कुमकुम

कुमकुम सिहागिन स्त्री की पहचान माना जाता है। इसके अलावा, कुमकुम वैवाहिक जीवन की संपन्नता को भी दर्शाता है। हरियाली तीज की पूजा वैवाहिक जीवन को खुशहाल बनाए रखने के लिए की जाती है। ऐसे में इसे भी पूजा थाली में अवश्य शामिल करें एवं माता पार्वती को भी चढ़ाएं।

हरियाली तीज पर पूजा थाली में रखें अक्षत

चावल को शास्त्रों में धन आकर्षित करने वाला बताया गया है, लेकिन इसके अलावा अक्षत को सुख-समृद्धि का प्रतीक भी माना जाता है। ऐसे में हरियाली तीज की पूजा थाली में अक्षत जरूर रखें। इससे वैवाहिक जीवन समृद्ध बनेगा और पारिवारिक क्लेश से भी छुटकारा मिल जाएगा।

पूजा थाली में रखें पांच सुपारी

सुपारी का तीज पूजा में बहुत महत्व है। सुपारी श्री गणेश का प्रतीक मानी जाती है और श्री गणेश भगवान शिव एवं माता पार्वती के पुत्र हैं। ऐसे में संतान प्राप्ति की इच्छा रखने वाली सुहागिनों को हरियाली तीज की पूजा में सुपारी रखनी चाहिए। इससे संतान का भाग्य भी खुलता है।

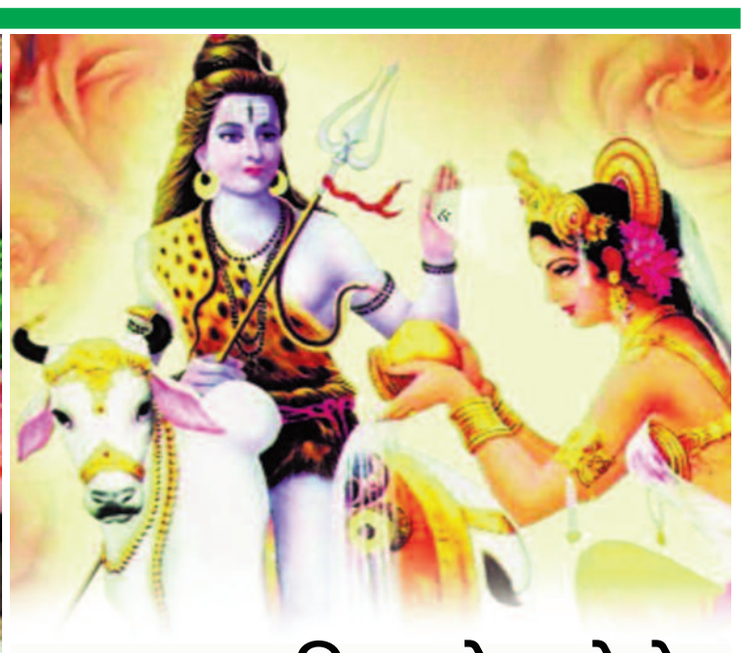

भगवान शिव को पाने के लिए पार्वती जी ने रखा था हरियाली तीज का व्रत

सावन के महीने का हर दिन अपने आप में महत्वपूर्ण माना जाता है। सावन माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि के दिन हरियाली तीज का व्रत रखा जाता है। हरियाली तीज को हरतालिका तीज भी कहा जाता है। इस साल हरियाली तीज का व्रत 27 जुलाई को रखा जाने वाला है। हरियाली तीज पर्व को सुहागिन महिलाएं पूरे विधि-विधान से मनाती हैं। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा की जाती है। वहीं, कुंवारी कन्याएं अच्छे वर की प्राप्ति के लिए इस दिन व्रत रखती हैं। हरियाली तीज के दिन महिलाएं सोलह श्रृंगार करती हैं। इस दिन हरे रंग का विशेष महत्व होता है। ऐसे में सुहागिन महिलाएं हरी साड़ी, हरी चूड़ियां पहनती हैं। इस दिन पूजा के साथ-साथ व्रत कथा का भी बहुत महत्व होता है। हरियाली तीज व्रत कथा के बिना अधूरा माना जाता है। आइए, जानते हैं कि हरियाली तीज की व्रत कथा क्या है।

हरियाली तीज की व्रत कथा

एक बार जब भगवान शिव ने मां पार्वती को उनके पिछले जन्म की याद दिलाई, तो उन्होंने कहा, हे पार्वती! तुमने मुझे पति रूप में पाने के लिए हिमालय पर कठिन तपस्या की थी। तुमने सर्दी, गर्मी, बरसात आदि सभी ऋतुओं में अन्न-जल ग्रहण किए बिना बहुत कष्ट उठाया। आपकी तपस्या को देखकर आपके पिता पर्वतराज बहुत दुखी हुए। तब एक दिन नारद मुनि आपके घर आए और आपके पिता से कहा कि मैं भगवान श्री हरि विष्णु की आज्ञा से यहां आया हूं। विष्णु जी तुम्हारी पुत्री की तपस्या से बहुत प्रसन्न हैं और उससे विवाह करना चाहते हैं, तो आपके पिता नारद मुनि की बातें सुनकर बहुत प्रसन्न हुए और नारद जी से कहा कि उन्हें विवाह का प्रस्ताव स्वीकार है। यह सुनकर नारद मुनि भगवान विष्णु के पास जाते हैं और उन्हें इसकी जानकारी देते हैं। घने जंगल में चली गई थीं देवी पार्वती इसके बाद भगवान शिव, माता पार्वती से कहते हैं कि जब तुम्हारे पिता ने तुम्हें यह समाचार दिया, तो तुम्हे बहुत दुख हुआ। क्योंकि तुमने मुझे अपना पति मान लिया था। इसके बाद आपने अपना दर्द अपनी सखी को बताया। तब तुम्हारी सखी ने सुझाव दिया कि तुम घने जंगल में रहो। उसके बाद तुम बिना किसी को बताए वन में चली गई और मुझे प्राप्त करने के लिए घोर तपस्या की। जब तुम्हारे पिता को तुम्हारे अचानक गायब होने का पता चला, तो वे बहुत चिंतित हुए। वह सोचने लगे कि यदि इसी बीच भगवान विष्णु बारात लेकर आ गये तो क्या होगा।

रेत का शिवलिंग बनाकर की तपस्या

जिसके बाद तुम्हारे पिता ने तुम्हें ढूंढते हुए धरती-पाताल एक कर दिया था। लेकिन वह तुम्हें ढूंढ नहीं सके, क्योंकि उस समय तुम एक गुफा में रेत से शिवलिंग बनाकर मेरी पूजा करने में पूरी तरह लीन थी। तब मैं तुम्हारी तपस्या से प्रसन्न हुआ और मैंने तुम्हारी मनोकामना पूर्ण करने का वचन दिया। तभी इसी बीच तुम्हारे पिता तुम्हें ढूंढते हुए गुफा के पास आ गए और तब तुमने उन्हें अपनी सारी कहानी बताई। आपने उन्हें बताया कि मैंने शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए अपना जीवन तपस्या में बिताया और अंततः वह तपस्या सफल हुई। तब आपने अपने पिता से कहा कि मैं आपके साथ तभी घर लौटूंगी, जब आप मेरा विवाह शिव से ही कराएंगे। तब पर्वतराज सहमत हुए और यह सुनिश्चित किया कि हमारा विवाह सभी रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाए।

आपके जीवन से जुड़ा है भगवान शिव के इन प्रतीकों का रहस्य

भगवान शिव की वेशभूषा सबसे भिन्न और निराली है। जब भी भगवान शिव के बारे में जानना हो, उनके रूप के बारे में जानना हो तो उनके कुछ खास प्रतीक चिह्न हैं जिनके जरिये यह पहचाना जा सकता है कि आपके आसपास भगवान शिव का वास बना हुआ। हालांकि ज्योतिष में तो इन प्रतीकों को घर पर रखने का भी खासा महत्व बताया गया है।

भगवान शिव के ये प्रतीक आपके और हमारे जीवन से जुड़े हुए हैं और हम सभी को यह संकेत देते हैं कि भगवान की कृपा पर बनी हुई है। भगवान शिव के इन प्रतीकों का अपना अलग-अलग महत्व है और इनसे जुड़ा अपना-अपना रहस्य भी है। तो चलिए जानते हैं भोलेनाथ महादेव के इन प्रतीक चिह्नों और इनसे मिलने वाले संकेतों के बारे में।

अर्ध चंद्र - भगवान शिव के मस्तक पर अर्ध चंद्र स्थापित है जो समय का प्रतीक माना जाता है। हमारे जीवन से इसका संबंध यह है कि जिसने अपने चंचल मन को थोड़ा भी सीमित कर लिया उसके भीतर भगवान शिव (भगवान शिव के आगे क्यों नहीं लगता श्री) की ऊर्जा का स्रोत उत्पन्न हो चुका है।

त्रिनेत्र - भगवान शिव की तीन आंखें हैं। तीसरी आंख का अर्थ है उन चीजों का अनुभव करना जिन्हें सामान्य दृष्टि से देखा ना जा सके। हमारे जीवन से इसका संबंध यह है कि जिसने भी अपने दृष्टिकोण को सकारात्मक रूप से थोड़ा भी भिन्न किया उसमें भगवान शिव की ऊर्जा का स्रोत उत्पन्न हो चुका है।

त्रिशूल - भगवान शिव का त्रिशूल न सिर्फ शस्त्र है बल्कि मानव शरीर में मौजूद नाड़ियों का सूचक माना जाता है। इसका हमारे जीवन से यह संबंध है कि जिसने भी सही ज्ञान अर्जित किया और उस ज्ञान का सांसारिक उन्नति के लिए प्रयोग किया उसमें भगवान शिव की ऊर्जा का स्रोत उत्पन्न हो चुका है।

रुद्राक्ष - रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के आसुओं से हुई है। रुद्राक्ष निर्माण के प्रतीक के तौर पर जाना जाता है। रुद्राक्ष (रुद्राक्ष धारण करने के नियम) का हमारे जीवन से यह संबंध है कि जिसने भी अपनी कला या प्रभु भक्ति से अपने भीतर किसी नवीन शक्ति का निर्माण किया उसमें भगवान शिव की ऊर्जा का स्रोत उत्पन्न हो चुका है।

सर्प - भगवान शिव के गले में विराजमान सर्प समय चक्र को दर्शाता है। सर्प का हमारे जीवन से यह संबंध है कि जिसने भी भूत, वर्तमान और भविष्य में भी प्रभु भक्ति को चुन हर जीव की सेवा की है उसमें भगवान शिव की ऊर्जा का स्रोत उत्पन्न हो चुका है।

डमरू - भगवान शिव का डमरू इस अबत का प्रतीक माना जाता है कि अपने अवगुणों पर विजय कैसे पाई जाए। डमरू का हमारे जीवन से यह संबंध है कि जिसने भी अपने अवगुणों को दूर करने का प्रयास किया हो और उसमें थोड़ा भी सफल हुआ हो तो उस व्यक्ति में भगवान शिव की ऊर्जा का स्रोत उत्पन्न हो चुका है।

बाघ की छाल - भगवान शिव को बाघाम्बर कहा जाता है क्योंकि वह मृत बाघ की छाल के आसन पर बैठते हैं जी इस बात का प्रतीक है कि अपनी शक्ति पर अहंकार न करें। बाघ की छाल का हमारे जीवन से यह संबंध है कि जिसने भी अपनी अहंकार को त्याग दिया उसमें भगवान शिव की ऊर्जा का स्रोत उत्पन्न हो चुका है।

त्रिपुंड - भगवान शिव का त्रिपुंड तिलक उनके मस्तक पर धारित 27 देवताओं और ध्यान का प्रतीक माना जाता है। त्रिपुंड का हमारे जीवन से यह संबंध है कि जिसने भी अपने भीतर 36 में से 27 गुणों को ध्यान शक्ति को जागृत किया है उसमें भगवान शिव की ऊर्जा का स्रोत उत्पन्न हो चुका है।

● भारतीय महिलाओं को सशक्त बनाएगा एफटीए, देगा वैश्विक मंच

टेक्सटाइल और शिल्प कारोबार को नई उड़ान

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और ब्रिटेन ने कारोबारी रिश्तों में नया अध्याय लिखते हुए गुरुवार को मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते से वैश्विक बाजार में भारतीय महिलाओं को बड़ा फायदा मिल सकता है। यह समझौता हथकरघा, पारंपरिक शिल्प, टेक स्टार्टअप और स्वच्छ निर्माण जैसे क्षेत्रों में काम कर रहीं महिलाओं को वैश्विक बाजार से जोड़ने का रास्ता खोलेगा। इससे उन्हें न सिर्फ अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सहायता और कारोबार बढ़ाने का मौका मिलेगा, बल्कि यूके के 23 अरब डॉलर के बाजार में कपड़ा, चमड़ा और जूते जैसे उत्पाद शुल्क मुक्त भेजने की सुविधा भी मिलेगी। इस कदम से भारतीय महिलाएं बांग्लादेश, पाकिस्तान और

कंबोडिया जैसे देशों की कंपनियों से बराबरी की होड़ में उतर सकेंगी। यह समझौता महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता और वैश्विक पहचान की ओर एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

भारत का जीवंत वस्त्र पारिस्थितिकी तंत्र महिलाओं के कौशल पर टिका है,फिर चाहे वह कांचीपुरम, भागलपुर, जयपुर या वाराणसी की बुनकर, कढ़ाई करने वाली, रंगाई करने वाली या डिजाइनर हों।

कोल्हापुरी चप्पल को वैश्विक पंख

महाराष्ट्र और आस-पास के इलाकों में महिलाओं की हाथ से बनाई जाने वाली कोल्हापुरी चप्पलें अब यूके के प्रीमियम बाजार में बगैर शुल्क के बिक सकेंगी। इससे इनका ब्रांड बढ़ेगा, संस्कृति सुरक्षित रहेगी, आय बढ़ेगी और टिकाऊ चमड़े के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।

महिला-नेतृत्व वाले एमएसएमईजी को बढ़त- इस एफटीए से देष में महिलाओं के चलाए जा रहे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमईजी) को अब सरल नियम, प्रशिक्षण समर्थन और व्यापार वित्त में मदद मिलेगी। गुजरात, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के क्लस्टर अब अधिक प्रतिस्पर्धी और यूके के लिए तैयार होंगे।

महिलाओं को वैश्विक अर्थव्यवस्था में नेतृत्व का मौका- चाहे वो वाराणसी के करघे हों, हैदराबाद की डिजिटल प्रयोगशालाएं, राजस्थान के शिल्प समूह हो या फिर बंगलूरू के स्टार्टअप यह समझौता महिलाओं को वैश्विक व्यापार के केंद्र में लाता है।

● एक बार फास्टैग रिचार्ज करिए और सालभर तक टोल से छुट्टी!

4 अगस्त से खुलेगा लिंक

नईदिल्ली, एजेंसी। देश में 15 अगस्त से शुरू होने वाले एनुअल टोल पास सिस्टम के लिए चार अगस्त से लिंक ओपन किया जा रहा है।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इसके लिए चार अगस्त से राजमार्ग यात्रा मोबाइल एप्लिकेशन और एनएचएआई वेबसाइट पर लिंक उपलब्ध कराना शुरू कर दिया जाएगा जिसमें अधिकतम 200 टोल प्लाजा और एक साल के लिए वैलिड तीन हजार रुपए के इस वार्षिक पास को लेने के इच्छुक लोग अपने मौजूदा फास्टैग पर ही इसे भी रिचार्ज करा सकेंगे।

एनुअल टोल पास सिस्टम का पिछले महीने ही केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ऐलान किया था। जिसमें घोषणा की गई थी कि देशभर में यह 15 अगस्त से लागू कर दिया जाएगा।

सूत्रों ने बताया कि दो दिन पहले ही इसके लिए रिव्यू मीटिंग भी की गई थी।

कितने टोल पर होगा यूज

इस सर्विस के लिए अभी 30 बैंकों को शामिल किया गया है। घोषणा के वक्त भी बताया गया था कि यह टोल पास केवल एनएचएआई के राष्ट्रीय राजमार्ग और राष्ट्रीय एक्सप्रेसवे के टोल नाको पर ही चलेगा। एक बार तीन हजार रुपए के रिचार्ज कराने पर इसकी अवधि एक साल के लिए मान्य होगी। इस दौरान यूजर इसे अधिकतम 200 टोल नाको को पार करने के लिए इस्तेमाल कर सकेगा।

मुकेश अंबानी ने जितना जिंदगीभर कमाया

● उतना लैरी एलिसन सात महीने में ही कमा गए!

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी अमीरों की लिस्ट में एक स्थान फिसल गए हैं। गुरुवार को उनकी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में करीब दो फीसदी गिरावट आई। इससे अंबानी की नेटवर्थ में 1.36 अरब की गिरावट आई। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक अंबानी 102 अरब की नेटवर्थ के साथ दुनिया के

अमीरों की लिस्ट में एक स्थान फिसलकर अब 18वें नंबर पर आ गए हैं। मेक्सिको के अरबपति कार्लोस स्लिम (103 अरब) उनसे आगे निकल गए हैं। अंबानी की नेटवर्थ में इस साल 11.1 अरब की तेजी आई है जबकि कार्लोस की नेटवर्थ 23.3 अरब बढ़ी है। इस बीच दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की नेटवर्थ में गुरुवार को 19.5 अरब डॉलर की गिरावट आई। वह 354 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ पहले नंबर पर बने हुए हैं लेकिन इस साल उनकी नेटवर्थ में 78.6 अरब डॉलर की गिरावट आई है। इस बीच ओरेकल के फाउंडर लैरी एलिसन की नेटवर्थ हाल में तेजी से बढ़ी है। उनकी नेटवर्थ में इस साल 101 अरब

अदाणी समूह ने मेटट्यूब के साथ किया करार

हीटिंग वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग के क्षेत्र में होगा काम

नईदिल्ली, एजेंसी। अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) ने मेटट्यूब मॉरीशस प्राइवेट लिमिटेड (मेटट्यूब) के साथ शेयर खरीद और शेयरधारक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते का उद्देश्य कंपनी की अत्याधुनिक सुविधाओं के माध्यम से हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग (एचवीएसी) उद्योग को अगली पीढ़ी के समाधान प्रदान करना है।

मजबूत तिमाही नतीजों के बाद भी निवेशक बेच रहे हैं बजाज फाइनेंस के शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। बजाज फाइनेंस लिमिटेड के निवेशक कंपनी के तिमाही नतीजों से नाखुश नजर आ रहे हैं। आज यानी शुक्रवार को यह स्टॉक सुबह 6 प्रतिशत से अधिक टूट गया था। कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में गिरावट के बाद 908 रुपये के लेवल पर खुला था। लेकिन एक वक्त पर बजाज फाइनेंस लिमिटेड का शेयर 897.65 रुपये (9.50 बजे तक का डाटा) के लेवल तक पहुंच गया। आइए जानते हैं कि एक्सपर्ट की तरफ से कंपनी के शेयरों के प्रदर्शन को लेकर क्या सलाह दी जा रही है

क्या बोल रहे हैं एक्सपर्ट- ब्रोकरेज हाउस च्वाइस ब्रोकिंग से जुड़े सुमित बगाडिया कहते हैं, बजाज फाइनेंस लिमिटेड के शेयर 870 रुपये पर मजबूत सपोर्ट दिखा रहे हैं। यह एनबीएफसी बाउंस बैक कर सकता है। और एक बार फिर से 950 रुपये से 960 रुपये के लेवल तक पहुंच सकता है। एक्सपर्ट ने 870 रुपये के लेवल पर स्टॉप लॉस लगाया है। नए निवेशकों के लिए एक्सपर्ट ने किसी भी गिरावट में दांव लगाने की सलाह दी है। सुमित बगाडिया ने शॉर्ट टर्म में 950 रुपये से 960 रुपये प्रति शेयर का टारगेट प्राइस सेट किया है। वहीं, स्टॉप लॉस 879 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है।

बजाज फाइनेंस का रिजल्ट- इस एनबीएफसी ने गुरुवार को तिमाही नतीजों का ऐलान किया था। कंपनी ने एक्सचेंज को दी जानकारी में कहा है कि टैक्स भुगतान के बाद प्रॉफिट 4765 करोड़ रुपये रहा है।

● दूरसंचार नीतिः हर साल एक लाख करोड़ का आएगा निवेश, मिलेंगे 10 लाख रोजगार

मसौदा दस्तावेज में विभाग को ये उम्मीद

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार की नीतियों और इंटरनेट की लगातार बढ़ती पहुंच के दम पर देश दूरसंचार क्षेत्र में बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। दुनिया के दूसरे सबसे बड़े दूरसंचार बाजार की रफ्तार और बढ़ाने में राष्ट्रीय दूरसंचार नीति (एनटीपी) मददगार साबित हो सकती है। सरकार को उम्मीद है कि इस नीति की मदद से देश के दूरसंचार क्षेत्र में 2030 तक हर साल एक लाख करोड़ रुपये का निवेश आएगा। रोजगार के 10 लाख नए अवसर भी सृजित होंगे। दूरसंचार विभाग ने राष्ट्रीय दूरसंचार नीति को लेकर बृहस्पतिवार को जारी मसौदे में कहा, एनटीपी-25 का लक्ष्य 2030 तक दूरसंचार क्षेत्र में विभिन्न

रणनीतिक उद्देश्यों को पूरा करना है। इनमें सबके लिए सार्वभौमिक और सार्थक संपर्क मुहैया कराने के साथ देश की जीडीपी में दूरसंचार क्षेत्र का योगदान दोगुना करना और सालाना एक लाख करोड़ का निवेश प्राप्त करना है।

देश को शीर्ष-10 वैश्विक केंद्र बनाने में मिलेगी मदद

विभाग ने कहा, राष्ट्रीय दूरसंचार नीति का मकसद 5जी, 6जी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) एवं क्वांटम संचार जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों में नवाचार और अनुसंधान के लिए भारत को शीर्ष-10 वैश्विक केंद्रों में शामिल करना है। विभाग ने मसौदा जारी होने की तिथि से 21 दिन के भीतर प्रस्तावित नीति पर टिप्पणियां आमंत्रित की हैं।

● **दूरसंचार उत्पादों का पसंदीदा विनिर्माता बनेगा भारत-** मसौदे के मुताबिक, एनटीपी-25 भारत को दुनिया के लिए दूरसंचार उत्पादों का पसंदीदा विनिर्माता बनाने की दिशा में काम करेगी। इसमें स्मार्ट शहरों, उद्योग 4.0, ग्रामीण ब्रॉडबैंड, आपातकालीन प्रतिक्रिया एवं डिजिटल कामकाज में उभरते इस्तेमाल के मामलों को स्थायी समर्थन देने के लिए अनुसंधान, कार्यबल के कौशल विकास, बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण और प्रभावी स्पेक्ट्रम प्रबंधन में निवेश पर एक व्यापक खाका पेश किया गया है।

● **एनटीपी-25 के अन्य लक्ष्य-** नीति का मकसद दूरसंचार उत्पादों एवं सेवाओं के निर्यात, स्टार्टअप की संख्या और टेलीकॉम प्रौद्योगिकियों पर क्षेत्रीय अनुसंधान-विकास खर्च को दोगुना करना। नवाचार केंद्रित गैर-लाभकारी कंपनी बनाना और 2030 तक 6जी आधारित बौद्धिक संपदा अधिकारों में 10 फीसदी की वैश्विक हिस्सेदारी हासिल करना।

हर हाथ में फोन देख आया आइडिया...

● चलाया ऐसा दिमाग कि अब करोड़ों का साम्राज्य

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली से ताल्लुक रखने वाले नीरज चोपड़ा ने उद्यमिता के क्षेत्र में मिसाल कायम की है। अपने पिता के जमे-जमाए व्यवसाय में शुरुआती झटकों से लेकर खुद का रीफर्बिश्ड मोबाइल फोन का कारोबार शुरू करने तक नीरज चोपड़ा का सफर किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। उनकी स्टार्टअप कंपनी जोबॉक्स ने अपनी शुरुआत होने से सिर्फ तीन साल में 20 करोड़ रुपये का शानदार टर्नओवर हासिल कर लिया। यह कंपनी पुराने मोबाइल फोन को नया करके इको-फ्रेंडली और किफायती ऑप्शन की पेशकश करती है। दिसंबर 2020 में इसकी शुरुआत हुई थी। तब से इसने लगातार तरक्की की है। आइए, यहां नीरज चोपड़ा की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

पिता और चाचा से सीखी बिजनेस की बारीकी-

नीरज चोपड़ा का बिजनेस की दुनिया से पहला परिचय उनके पिता के जरिये हुआ। उनके पिता पहले कीटनाशकों और बीजों का व्यापार करते थे। बाद में दिल्ली के लाजपत राय मार्केट में वह इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स के थोक व्यापार में उतर गए। 18 साल की उम्र में नीरज को व्यावहारिक अनुभव के लिए हांगकांग

में अपने चाचा के साथ काम करने भेजा गया। हांगकांग में उन्होंने एक दशक बिताया। वहां नीरज ने चीन से इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स आयात करने और उन्हें भारत में बेचने का काम सीखा। यह अनुभव उनके व्यापारिक कौशल को निखारने में महत्वपूर्ण साबित हुआ। उन्होंने वहां की भाषा, भोजन और संस्कृति में खुद को बखूबी ढाल लिया। समय के साथ परिवार का व्यवसाय वीसीडी प्लेयर से लेकर मोबाइल एक्सेसरीज और कंपोनेंट्स तक विकसित होता गया।

● **शुरुआत में असफलता का चखा स्वाद-** 2010 में चाचा के निधन के बाद नीरज को हांगकांग में अपना काम बंद करना पड़ा। वह दिल्ली में पारिवारिक व्यवसाय में शामिल होने के लिए भारत लौट आए। यह बदलाव उनके लिए चुनौतीपूर्ण था। उन्हें हांगकांग की तुलना में भारतीय व्यावसायिक माहौल बहुत अलग लगा। उन्होंने रियल एस्टेट और पावर बैंक व्यवसाय में भी हाथ आजमाया। लेकिन, सीमित सफलता मिली। उन्हें नुकसान का सामना करना पड़ा। इन मुश्किलों के बीच 2020 में नीरज को जोबॉक्स का विचार आया। हर हाथ में फोन और कार्स24 के बिजनेस मॉडल ने उन्हें रास्ता दिखाया। उन्होंने सोचा कि अगर पुरानी कारों का बाजार हो सकता है तो मोबाइलों का क्यों नहीं, जिन्हें लोग अक्सर अपग्रेड करते हैं 50 लाख रुपये की पूंजी से नीरज ने दिसंबर 2020 में जोबॉक्स की शुरुआत 8-10 लोगों की टीम के साथ की।

● **फ्रेंचाइजी मॉडल पर किया काम-** शुरुआत में जोबॉक्स ने फ्रेंचाइजी मॉडल पर काम किया। बड़ौदा में अपना पहला स्टोर खोला। इसके बाद कई अन्य शहरों में भी इसका विस्तार हुआ। हालांकि, कोरोना लॉकडाउन और ऑपरेशनल चुनौतियों के कारण उन्हें नुकसान हुआ। उन्हें एहसास हुआ कि रीफर्बिश्ड फोन की मरम्मत और डिलीवरी में लगने वाला समय और इन्वेंट्री की कमी समस्या पैदा कर रही थी।

डिफेंस कंपनी को 563 करोड़ के नए ऑर्डर, कमजोर मार्केट में भी चमका शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। डिफेंस कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड का शेयर भाव बढ़ा। यह उछाल कंपनी को मिले नए ऑर्डर की खबर से आया। बीइएल का शेयर आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर 400.25 पर खुला और बढ़कर 401.90 तक पहुंच गया। यह कीमत गुरुवार को शेयर के बंद भाव (401.90) से अधिक है। बता दें सुबह साढ़े दस बजे के करीब बीएसई का 30 शेयरों वाला यह बेंचमार्क इंडेक्स 593 अंक नीचे 81590 पर आ गया था। निफ्टी भी 201 अंकों के नुकसान के साथ 24860 पर आ गया। इसमें सबसे बड़ा हाथ बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व का है।

563 करोड़ रुपये के नए ऑर्डर

गुरुवार को बाजार बंद होने के बाद बीइएल ने एक महत्वपूर्ण जानकारी शेयर बाजारों को दी। कंपनी ने बताया कि 30 जून 2025 को आखिरी बार ऑर्डर की जानकारी देने के बाद से उसे अतिरिक्त ऑर्डर मिले हैं जिनका कुल मूल्य 563 करोड़ है। ये ऑर्डर जुलाई 2025 में हासिल किए गए।

यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि नियमित ऑर्डर प्रवाह के साथ बीईएल के शेयर मूल्य में वृद्धि हो रही है। पिछले छह महीनों में बीईएल के शेयर मूल्य में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। हालांकि, शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार की कमजोर शुरुआत के बावजूद, बीईएल के शेयर मूल्य में शुरुआती बढ़त 400.70 रुपये के उच्च स्तर पर पहुंच गई।

इस साझेदारी का लक्ष्य आयातित तांबे की ट्यूबों पर भारत की निर्भरता को कम करना और तांबा-आधारित प्रयोगों के लिए एक मजबूत घरेलू पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है।

समझौते के तहत, अदाणी एंटरप्राइजेज अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, कच्छ कॉपर टयूब्स लिमिटेड में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी मेटट्यूब को बेचेगी। इसके अलावे, अदाणी एंटरप्राइजेज मेटट्यूब कॉपर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में 50 प्रतिशत निवेश करेगी, जो मेटट्यूब की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है और गुजरात में अहमदाबाद के पास एक संयंत्र संचालित करती है।

● व्यापार, तकनीक और रणनीतिक साझेदारी का नया अध्याय

वैश्विक समीकरणों पर भी दिखेगा असर

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत-ब्रिटेन व्यापार और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) जैसे द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों पर निगरानी और समीक्षा करने वाली प्रतिष्ठित भारतीय और ब्रिटिश एजेंसियों व संस्थानों का मानना है कि भारत और ब्रिटेन के बीच संपन्न हुआ ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) केवल दो देशों के बीच व्यापार बढ़ाने तक सीमित नहीं है। इससे वैश्विक रणनीतिक समीकरण, निवेश के प्रवाह, रोजगार के अवसर और उपभोक्ताओं के अनुभवों में भी व्यापक परिवर्तन की संभावना है। यह समझौता न केवल उद्योगों और व्यापारियों के लिए नए द्वार खोलेगा बल्कि आम भारतीय को भी सस्ते उत्पादों, बेहतर सेवाओं और नए रोजगार अवसरों के रूप में सीधा लाभ पहुंचाएगा। रिसर्च एंड इनफॉरमेशन सिस्टम्स फॉर डेवलपिंग कंट्रीज (आरआईएस) और ब्रिटिश चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के विशेषज्ञों का मानना है कि भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता एक विन-विन करार है जो केवल आर्थिक आंकड़ों तक सीमित नहीं है। यह भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला, डिजिटल इकोनॉमी और रणनीतिक साझेदारी के केन्द्र में स्थापित करता है। यह समझौता भविष्य में भारत की एफटीए कूटनीति की दिशा तय

करने वाला मील का पत्थर सिद्ध हो सकता है और विश्व को यह संदेश देता है कि भारत अब सिर्फ उभरती अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि नीति-निर्माता वैश्विक शक्ति बन रहा है।

अर्थव्यवस्था को पांच ट्रिलियन डॉलर बनाने के लक्ष्य में मददगार- भारतीय वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार यह समझौता भारत के 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य में मददगार सिद्ध होगा। वहीं ब्रिटिश प्रधानमंत्री की टिप्पणी थी कि यह समझौता दोनों देशों के ऐतिहासिक रिश्तों को 21वीं सदी की कारोबारी साझेदारी में रूपांतरित करेगा। नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पनगड़िया यूके के साथ यह एफटीए भारत के लिए बहुत संतुलित है।

व्यापारियों और उद्योगों को क्या मिलेगा लाभ

फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट्स ऑर्गेनाइजेशंस (एफ आईईओ) से जुड़े विशेषज्ञों के अनुसार शुल्क कटौती निर्यात बढ़ाने में काफी लाभदायक होगी। भारत को ब्रिटेन की विशाल उपभोक्ता अर्थव्यवस्था में अधिक प्रतिस्पर्धी तरीके से प्रवेश मिलेगा। रेडीमेड गारमेंट्स, ज्वैलरी, फार्मास्युटिकल्स, मशीनरी और आईटी सर्विसेज जैसे क्षेत्रों में टैरिफ कम होने से भारत के निर्यातकों को सीधा लाभ होगा। इसी तरह यूके डिपार्टमेंट ऑफ बिजनेस एंड ट्रेड (डीबीटी) के अनुसार इस समझौते से ब्रिटिश कंपनियों को बृहद भारतीय भारतीय बाजार मिलेगा। खासतौर पर तेजी से बढ़ते मिडिल क्लास बाजार में पांव जमाने का मौका मिलेगा। ब्रिटेन की स्कॉच व्हिस्की, हाई-एंड कारें, फाइनेंशियल सर्विसेज और एजुकेशन सेक्टर को भारत में प्रवेश और विस्तार के लिए सरल और लागत प्रभावी रास्ता मिलेगा। इससे ब्रिटिश निवेशकों को भी भारत में अधिक

उपभोक्ताओं को क्या मिलेगा लाभ

दोनों देशों की विशेषज्ञों का कहना है इस समझौते से आम उपभोक्ता को भी सीधे राहत मिलेगी। ब्रिटिश चैंबर ऑफ कॉमर्स के चीफ इकोनॉमिस्ट अमांडा टेनेट के अनुसार इस एफटीए के जरिए ब्रिटिश एमएसएमई भारत के विशाल मिडिल-क्लास बाजार में प्रवेश कर पाएंगे। इससे द्विपक्षीय व्यापार 2030 तक दोगुना हो सकता है और दोनों देशों के उपभोक्ताओं को भी इसका सीधा लाभ होगा। टैरिफ घटने से कई आयातित वस्तुएं जैसे ब्रिटिश चॉकलेट, व्हिस्की, सौंदर्य प्रसाधन और कुछ विशेष तकनीकी उत्पाद भारतीय बाजार में सस्ते होंगे। इससे मध्यमवर्गीय उपभोक्ताओं को फायदा होगा। निर्यात में वृद्धि और ब्रिटिश निवेश से औद्योगिक गतिविधियां बढ़ेंगी, जिससे खासकर विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। शिक्षा और वीजा में भी सहूलियत मिली मिलेगी। इस समझौते से छात्रों और पेशेवरों के लिए वीजा प्रक्रियाएं सरल होने की संभावना जताई जा रही है। ब्रिटेन की यूनिवर्सिटियों में भारतीय छात्रों को अधिक स्कॉलरशिप व कोर्स विकल्प मिल सकते हैं।

चाईना ओपनः

सिंधू पर जीत दर्ज करने वाली 17 साल की उन्नति को क्वार्टर फाइनल में मिली हार

● यामागुची ने किया बाहर

चांग्झू (चीन), एजेंसी। पिछले दौर में अपनी आदर्श खिलाड़ी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को हराने वाली 17 वर्षीय हुड्डा क्वार्टर फाइनल में जापान की खिलाड़ी से 33 मिनट तक

चले मैच में 16-21, 12-21 से हार गईं। भारत की उभरती बैडमिंटन स्टार उन्नति हुड्डा का चाइना ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट में शानदार सफर शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में जापान की विश्व की चौथे नंबर की खिलाड़ी अकाने यामागुची से सीधे गेम में हार के साथ समाप्त हो गया। भारत की उम्मीद अब सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी पर टिकी है जो क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के यू सिन ओंग और ई यी तेओ का सामना करेगी। पिछले दौर में अपनी आदर्श खिलाड़ी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को हराने वाली 17 वर्षीय हुड्डा क्वार्टर फाइनल में जापान की खिलाड़ी से 33 मिनट तक चले मैच में 16-21, 12-21 से हार गईं। उन्नति के बाहर होने के साथ ही टूर्नामेंट में भारत का एकल में अभियान समाप्त हो गया। पहले गेम में हूडा ने यामागुची को बराबर की टक्कर दी लेकिन वह अपनी लय बरकरार नहीं रख पाई और जापान की खिलाड़ी ने लगातार पांच अंक बनाकर यह गेम अपने नाम कर दिया। इस गेम में हुड्डा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन लगातार तीन अंक लेना था। दूसरे गेम में भी यही कहानी दोहराई गई। भारतीय खिलाड़ी ने बीच में थोड़ी देर के लिए चुनौती पेश की और लगातार चार अंक हासिल किए लेकिन यामागुची ने लगातार छह अंक बनाकर दूसरा गेम 21-12 से अपने नाम करके सेमीफाइनल में जगह बनाई।

जायसवाल के बचपन के कोच ज्वाला सिंह ने बताया टेस्ट में जीतने का तरीका

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के बचपन के कोच ज्वाला सिंह ने मैनचेस्टर टेस्ट और एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में अब तक भारत के प्रदर्शन का आलोचनात्मक मूल्यांकन किया है और सुझाव दिया है कि दो-तीन बल्लेबाजों को लंबी पारियां खेलनी चाहिए, जबकि मध्य और निचले क्रम के बल्लेबाजों को टीम के समग्र प्रदर्शन में और योगदान देना होगा। अब तक शीर्ष क्रम के योगदान पर विचार करते हुए सिंह ने

साई सुदर्शन, ऋषभ पंत और जायसवाल के प्रयासों की सराहना की, लेकिन एक लंबी, मैच-परिभाषित पारी की कमी पर भी ध्यान दिलाया, जो उनके अनुसार टेस्ट मैच जीतने के लिए महत्वपूर्ण है। सिंह ने कहा, अगर आप सलामी बल्लेबाजों पर गौर करें, तो साई सुदर्शन ने कुछ रन बनाए और चोट के बावजूद ऋषभ पंत ने भी योगदान दिया। यशस्वी ने रन बनाए और कुछ अन्य बल्लेबाजों ने छोटी लेकिन उपयोगी पारियां खेलीं। लेकिन अगर आपको टेस्ट मैच जीतना है, तो एक या दो खिलाड़ियों को बड़ी और लंबी पारियां खेलनी होंगी। उन्होंने कहा, पहले टेस्ट मैच में हमने जो गलतियां कीं, वे तीसरे टेस्ट में भी दोहराई गईं। हमें मध्य और निचले क्रम से और योगदान की जरूरत थी। हमने दूसरा टेस्ट मुख्य रूप से शुभमन गिल के बड़े स्कोर की बदौलत जीता। उनकी पारी ने उस जीत को सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई। बल्लेबाजों को यहां भी जिम्मेदारी लेने की जरूरत थी, लेकिन दुर्भाग्य से उन्होंने ऐसा नहीं किया।

ओलम्पिक 2036:

भारत को मिलेगी 2036 ओलंपिक की मेजबानी ?

नई दिल्ली, एजेंसी। आईओए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रघुराम अय्यर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम यह मानना चाहेंगे कि हम बहुत सकारात्मक हैं, लेकिन फिर भी यह कहना जल्दबाजी होगी भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) 2036 ओलंपिक की मेजबानी के अधिकार मिलने को लेकर बहुत सकारात्मक है, लेकिन उसे लगता है कि अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी क्योंकि और भी देश इस दौड़ में शामिल हो रहे हैं।

कतर नवीनतम देश है जिसने खुलासा किया है कि उसने 2036 खेलों की मेजबानी के अधिकारों के लिए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के भविष्य मेजबान आयोग के साथ बातचीत प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह मेजबान देश के चयन से पहले की लंबी प्रक्रिया का पहला कदम है। आईओए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ)

रघुराम अय्यर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम यह मानना चाहेंगे कि हम बहुत सकारात्मक हैं, लेकिन फिर भी यह कहना जल्दबाजी होगी कि किसे मेजबानी के अधिकार मिलेंगे, क्योंकि अब भी कई देश इसमें शामिल हो रहे हैं।

भारत ने पिछले साल ओलंपिक की मेजबानी के लिए रुचि पत्र प्रस्तुत किया था और वह आईओसी के भविष्य मेजबान आयोग (एफएचसी) के साथ निरंतर संवाद प्रक्रिया में एक कदम आगे है। अगला कदम लक्षित संवाद प्रक्रिया है जिसके बाद ही एफएचसी आईओसी कांग्रेस को पसंदीदा मेजबान देश की सिफारिश करेगा। उन्होंने कहा कि 2036 ओलंपिक के लिए मेजबान देश का नाम दो साल बाद ही पता चलने की संभावना है क्योंकि आईओसी ने खुद पूरी प्रक्रिया पर 'रोक' लगाने की घोषणा की है। अय्यर ने कहा, हम इस समय आईओसी के साथ निरंतर बातचीत के दौर में हैं। आईओसी के लिए अभी ठहरकर सोचने का समय है क्योंकि उसे अभी नया अध्यक्ष मिला है जो आईओसी में कुछ बदलाव ला रहा है। अ

गले कुछ वर्षों में हमें पता चल जाएगा कि यह किस दिशा में बढ़ रहा है। वहीं आईओए के कार्यकारी सदस्य हरपाल सिंह ने 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की बोली के फैसले पर कहा, यह प्रक्रिया चल रही है। राष्ट्रमंडल खेल प्रतिनिधि, टीम प्रबंधन और खेल प्रबंधन पहले सभी संभावित मेजबानों से बातचीत करेंगे जिसके बाद नवंबर के आखिरी हफ्ते में ग्लास्गो में होने वाली आमसभा में मेजबान को चुना जाएगा। कनाडा के बोली की दौड़ से हटने के बाद भारत की 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी पाने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। उन्होंने कहा, हमें पूरी उम्मीद है कि 2030 के खेल भारत में आयोजित होंगे।

आईओए एथलीट आयोग के उपाध्यक्ष शरत कमल ने 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस पर इंडिया प्लेज कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की जिसका उद्देश्य 10 करोड़ लोगों को किसी विशेष खेल या किसी गतिविधि में भाग लेने के लिए प्रेरित करना है। पूर्व टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत ने कहा, हम स्पष्ट रूप से देख सकते हैं कि भारत एथलीट-केंद्रित कार्यक्रमों बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। हम 'इंडिया प्लेज' नाम का एक अभियान शुरू करेंगे जिसका उद्देश्य हमारे राष्ट्रीय खेल दिवस 29 अगस्त को 10 करोड़ लोगों को किसी विशेष खेल या किसी गतिविधि में भाग लेने के लिए प्रेरित करना होगा।

ऋषभ पंत की इंजरी के बाद ICC कर सकती है नियमों में बदलाव...

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच मैनचेस्टर के ओल ट्रैफर्ड में खेले जा रहे टेस्ट मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को गंभीर चोट लगी. ऋषभ पंत को यह चोट पहले दिन के खेल के दौरान दाएं पैर के अंगूठे में लगी थी, तब वो क्रिस वोक्स की गेंद पर रिवर्स स्वीप मारने की कोशिश कर रहे थे. ऋषभ काफी दर्द में दिखे और उन्हें रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा.

हालांकि ऋषभ पंत ने अगले दिन फिर से बल्लेबाजी की और अर्धशतक जड़ने भी कामयाब रहे. हालांकि पंत इस मैच में विकेटकीपिंग करने की हालत में नहीं हैं. ऐसे में उनकी जगह विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी ध्रुव जुरेल निभा रहे हैं. एक बात गौर करने वाली है कि जुरेल सिर्फ कीपिंग कर सकते हैं, वो आईसीसी (इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल) के नियमानुसार बल्लेबाजी या गेंदबाजी नहीं कर पाएंगे. मौजूदा नियमों के तहत अगर कोई खिलाड़ी चोटिल हो जाए तो उसकी जगह आने वाला सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी सिर्फ फील्डिंग कर सकता है, लेकिन वो खिलाड़ी बैटिंग या बॉलिंग नहीं कर सकता. लेकिन यदि खिलाड़ी को सिर या आंख में चोट लगती है और वो कन्कशन टेस्ट में फेल हो जाता है, तो कन्कशन सब्स्टीट्यूट का इस्तेमाल किया जा सकता है. कन्कशन सब्स्टीट्यूट गेंदबाजी, बल्लेबाजी या फील्डिंग कर सकता है.

आईसीसी करेगी नियमों में बदलाव?

अब ऋषभ पंत की इंजरी के बाद आईसीसी सब्स्टीट्यूट नियमों में बदलाव कर सकता है. रिपोर्ट के मुताबिक आने वाले समय में बाहरी चोटों के लिए भी टीमों को रिप्लेसमेंट की अनुमति दी जा सकती है. रिपोर्ट में कहा गया है कि आईसीसी इसे लेकर पहले से ही चर्चा कर रहा है. आईसीसी की क्रिकेट समिति की अगली बैठक में इस पर मुहर लग सकती है.

आईसीसी के एक सूत्र ने कहा, इस बात की संभावना है कि गंभीर बाहरी चोटों लगने की स्थिति में टीमों को रिप्लेसमेंट खिलाड़ी लाने की अनुमति दी जाएगी. इस मसले पर पहले से ही विचार-विमर्श चल रहा है. उम्मीद है कि आईसीसी क्रिकेट कमेटी की अगली बैठक में इस पर औपचारिक मुहर लग सकती है. लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट के दौरान भी ऋषभ पंत को चोट लग गई थी. तब ऋषभ पंत तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की गेंद को कलेक्ट करने की कोशिश में अपने बाएं हाथ की तर्जली उंगली चोटिल करा बैठे थे. तब भी उनकी जगह ध्रुव जुरेल ने विकेटकीपिंग की थी, लेकिन मौजूदा नियमों के अनुसार जुरेल बैटिंग नहीं कर पाए थे.

बेंगलुरु भगदड़ मामले में फंसी आरसीबी, कर्नाटक सरकार ने दी केस चलाने की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 की चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु अब कानूनी पचड़े में बुरी तरह से फंस गई है. टीम की विक्ट्री परेड के दौरान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में मची भगदड़ के मामले में कर्नाटक सरकार ने आरसीबी और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने की अनुमति दे दी है. सरकार ने यह फैसला जांच आयोग की रिपोर्ट के आधार पर लिया है, जिसमें आरसीबी केएससीएऔर आयोजन से जुड़ी डीएनएएंटरटेनमेंट नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड को घटना का जिम्मेदार बताया गया है.

क्या था मामला – आरसीबी ने 3 जून को आईपीएल 2025 का फाइनल जीतकर इतिहास रचा था. लंबे इंतजार के बाद टीम ने पहली बार खिताब अपने नाम किया था. अगले ही दिन, यानी 4 जून को आरसीबी टीम बेंगलुरु लौटी और एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में एक भव्य विक्ट्री परेड और समारोह आयोजित किया गया था. इस इवेंट के दौरान भीड़ पर नियंत्रण नहीं हो पाया. जरूरत से ज्यादा टिकट बांट दिए गए थे जिसके चलते स्टेडियम में क्षमता से अधिक लोग पहुंच गए और अव्यवस्था की वजह से भगदड़ मच गई. इस दर्दनाक हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई और करीब 50 लोग घायल हो गए थे।

जांच आयोग की रिपोर्ट क्या कहती है – कर्नाटक सरकार ने इस हादसे के बाद 5 जून को रिटायर्ड जस्टिस जॉन माइकल डीकुन्हा के नेतृत्व में एक एकल सदस्यीय जांच आयोग बनाया था. यह रिपोर्ट हाल ही में सरकार को सौंपी गई, जिसे 24 जुलाई को कर्नाटक कैबिनेट ने स्वीकार कर लिया है. भीड़ नियंत्रण के लिए कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए थे।

डब्ल्यूडब्ल्यूई लीजेंड हल्क होगन की मौत कैसे हुई, डॉक्टरों ने बताई बड़ी वजह

नई दिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूडब्ल्यूई सुपरस्टार हल्क होगन का 71 साल की उम्र में निधन हो गया, उन्होंने गुरुवार की सुबह फ्लोरिडा के

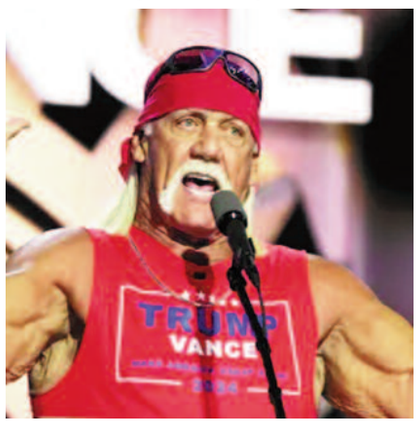

क्लियरवॉटर स्थित अपने घर में अंतिम सांस ली। सुपरस्टार हल्क होगन का 71 साल की उम्र में निधन हो गया, उन्होंने गुरुवार की सुबह फ्लोरिडा के क्लियरवॉटर स्थित अपने घर में अंतिम सांस ली। डॉक्टरों ने बताआ है कि सुपरस्टार की मौत की वजह कार्डियक अरेस्ट है। बताया जा रहा है कि डॉक्टर खुद हल्क होगन के घर पर आए थे, उन्हें तुरंत अस्पताल भी ले जाया गया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी और दुनिया ने इस लीजेंड को हमेशा के लिए खो दिया था। वैसे कुछ हफ्तों पहले ही ऐसी खबरें चली थीं कि हल्क होगन बेहोश हो गए थे। लेकिन उनती पत्नी स्काई ने उन खबरों का ना सिर्फ खंडन किया था बल्कि उन्होंने इसे अफवाह करार दिया था। उस समय तो उनकी पत्नी ने दो टूक कहा था कि उनके पति का दिल काफी मजबूत है और वे अपनी सर्जरी से उबर रहे हैं।

भावुक हुए फैंस – हल्क होगन का जाना सिर्फ रेसलिंग की दुनिया के लिए एक बड़ी क्षति नहीं है बल्कि एक पूरी पीढ़ी उन्हें देखते हुए बड़ी हुई है, जिन्होंने अपने टीवी पर होगन को रेसलिंग करते हुए देखा, उन्हें कितनी बार वर्ल्ड चैपियन बनते हुए देखा है। सोशल मीडिया इस समय श्रद्धांजलि के मैसेजों से पट चुका है, हर कोई इस दिग्गज को नम आंखों से विदा कर रहा है।

यश दयाल पर रेप का एक और मामला दर्ज

नाबालिगा ने जयपुर में दर्ज करवाई FIR

जयपुर, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के आलोचनाओं से घिरे तेज गेंदबाज यश दयाल पर एक और बलात्कार का मामला दर्ज हो गया है। जयपुर पुलिस ने एक नाबालिग से बलात्कार का आरोप लगाया है। उत्तर प्रदेश के 27 वर्षीय क्रिकेटर पर पहले से ही गाजियाबाद की एक महिला ने यौन शोषण का आरोप लगाया है। महिला ने आरोप लगाया है कि दयाल ने 5 साल के रिश्ते के दौरान उससे शादी का वादा करके उसका यौन शोषण किया। जयपुर के सांगानेर सदर थाने के अनिल जैमन ने बताया कि ताजा स्त्रढ्ढक्र बुधवार को दर्ज की गई। उन्होंने शुक्रवार को यहां कहा, यश दयाल के खिलाफ पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम और (भारतीय न्याय संहिता) की संबंधित धाराओं के तहत बलात्कार के लिए एफआईआर दर्ज की गई है। जैमन के अनुसार पीड़िता ने आरोप लगाया है कि खिलाड़ी ने पहली बार 2023 में उसके साथ बलात्कार किया था जब वह 17 साल की थी और

इसी साल अप्रैल में सीतापुरा इलाके के एक होटल में भी ऐसा ही हमला हुआ था। एसएसओ ने कहा, उसने आरोप लगाया कि क्रिकेटर ने उसके करियर में मदद और सहयोग का वादा किया था। उसने इस साल अप्रैल में उससे संपर्क किया जब वह आईपीएल के लिए जयपुर में था और उसे होटल में बुलाया जहां उसने कथित तौर पर उसके साथ फिर से बलात्कार किया। उन्होंने आगे कहा कि मामले की जांच की जा रही है। मध्यम गति के गेंदबाज दयाल भारतीय घरेलू क्रिकेट में एक जाने-माने गेंदबाज हैं। उन्होंने 2018 में उत्तर प्रदेश के लिए पदार्पण किया और तब से 27 प्रथम श्रेणी मैच खेलकर 84 विकेट लिए हैं। उन्होंने 71 टी20 मैचों में 66 विकेट लिए हैं। दयाल ने 2022 में गुजरात टाइटन्स के साथ अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की और फिर आरसीबी में शामिल हो गए जिसने उन्हें 2024 की खिलाड़ियों की नीलामी में 5 करोड़ रुपए में खरीदा। उन्हें इस साल के सीजन के लिए भी बेंगलुरु टीम ने रिटेन किया था और रजत पाटीदार के नेतृत्व में ट्रॉफी जीतने वाली टीम के एक प्रमुख सदस्य थे।

इंग्लैंड में तिलक वर्मा का दूसरा शतक, 15 छक्के-चौके मारे, दिग्गज पाकिस्तानी बॉलर की भी धुनाई

नई दिल्ली, एजेंसी। तिलक वर्मा इस समय इंग्लैंड में खूब रन बना रहे हैं. टीम इंडिया का ये बल्लेबाज अब तक दो शतक ठोक चुका है. इस दौरान उसने खूब चौके और छक्के लगाए हैं. जहां एक तरफ भारतीय टीम इंग्लैड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलने में बिजी है तो वहीं तिलक वर्मा इंग्लैंड में काउंटी चैंपियनशिप में अपने शानदार प्रदर्शन से गेंदबाजों के नाक में दम किए हुए हैं. काउंटी चैंपियनशिप 2025 में हैंपशर की ओर से खेलते हुए तिलक वर्मा ने नॉटिंघमशर के खिलाफ के 112 रनों की शानदार पारी खेली, जिसके दम पर हैंपशर ने मैच में जबरदस्त वापसी की है. इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान के दिग्गज गेंदबाज की खूब धुनाई की. काउंटी चैंपियनशिप 2025 के डिवीजन-1 के 47वें मुकाबले में हैंपशर के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने नॉटिंघमशर के खिलाफ शानदार बैटिंग की. उन्होंने 256 गेंदों में 13 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 112 रनों की पारी खेली. इस दौरान उन्होंने पाकिस्तानी गेंदबाज मोहम्मद अब्बास की गेंदों पर खूब रन बनाए. उनके इस शानदार पारी के दम पर हैंपशर ने तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक 6 विकेट पर 367 रन बना लिए हैं. इससे पहले नॉटिंघमशर ने अपनी पहली पारी 8 विकेट पर 578 रन बनाकर घोषित कर दी थी. हैंपशर अभी भी नॉटिंघमशर से 211 रन पीछे हैं. इस मैच में तिलक वर्मा जब बल्लेबाजी करने के लिए उतरे तो उस समय टीम का स्कोर दो विकेट पर 111 रन था. इसके बाद उन्होंने संभल कर खेलना शुरू किया और एक छोर संभाले रखा. दूसरी तरफ 173 के स्कोर पर हैंपशर के चार विकेट गिए गए, लेकिन इसके बाद तिलक वर्मा कप्तान बिन ब्राउन (28 रन) के साथ मिलकर पारी को संभाला.

तिलक ने एक छोर संभाले रखा

तिलक और ब्राउन ने पांचवें विकेट के लिए 58 रनों की साझेदारी की. ब्राउन के आउट होने के बाद फेलिक्स ऑर्गन (नाबाद 71 रन) तिलक का साथ देने के लिए आए. दोनों बल्लेबाजों ने छठे विकेट के लिए 126 रन जोड़े. इस दौरान तिलक वर्मा ने इस सीजन में अपना दूसरा शतक पूरा किया. इस दौरान उन्होंने नॉटिंघमशर के गेंदबाजों मोहम्मद अब्बास, जॉश टंग, ब्रेट हटन और फरहान अहमद के खिलाफ खूब रन बनाए.

नितेश तिवारी की रामायण में भरत की भूमिका निभाएंगे आदिनाथ कोठारे

फिल्म रामायण भाग 1 में रणबीर कपूर, यश, सनी देओल और साई पल्लवी जैसे बड़े सितारे नजर आएंगे। हाल ही में मराठी अभिनेता आदिनाथ कोठारे ने बताया कि वे वह इस फिल्म में भरत का किरदार निभाएंगे। बातचीत के दौरान आदिनाथ ने कहा, यह मेरे लिए बहुत बड़ा सौभाग्य है। यह भारत में बनी सबसे बड़ी फिल्मों में से एक है और दुनिया की भी। मुझे इस फिल्म में काम करने का मौका देने के लिए मैं मुकेश छाबड़ा, नितेश तिवारी और नमित मल्होत्रा का आभारी हूं। उन्होंने मुझ पर भरोसा किया और मुझे भरत जैसे महत्वपूर्ण किरदार की जिम्मेदारी दी। उन्होंने आगे कहा, यह फिल्म भारतीय सिनेमा की सबसे शानदार फिल्मों में से एक है। इसकी भव्यता को करीब से देखना मेरे लिए बहुत खास है। यह अनुभव ऐसा है, जो कोई फिल्म स्कूल नहीं सिखा सकता। आदिनाथ मराठी सिनेमा के जाने-माने अभिनेता और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता हैं। उनकी कुछ चर्चित फिल्में पानी, अवताराची गोष्ट, नीलकंठ मास्टर और चंद्रमुखी हैं।

मुझे कपड़े उतारने को कहा...

● जॉनी लीवर की बेटी जेमी लीवर के साथ होने वाला था बहुत भयानक, खुद बताया डरावना इंसिडेंट

कॉमेडी के किंग जॉनी लीवर की बेटी जेमी लीवर ने इंडस्ट्री के काले सच से उठाया पर्दा, उन्होंने कास्टिंग काउच पर दिल दहला देने वाली घटना का जिक्र किया. जिसे सुनने के बाद किसी की भी सांसें थम जाएंगी.

कास्टिंग काउच का खुलासा

बॉलीवुड में कदम रखना जितना ग्लैमरस दिखता है, हकीकत में उतना ही चुनौती भरा होता है. कई कलाकारों ने इंडस्ट्री के काले सच, खासतौर पर कास्टिंग काउच को लेकर खुलकर अपनी बात रखी है. अब इस लिस्ट में मशहूर कॉमेडियन जॉनी लीवर की बेटी और कॉमेडियन अभिनेत्री जेमी लीवर का नाम भी जुड़ गया है.

एक्ट्रेस ने साझा किया अपना दर्द

हाल ही में एक इंटरव्यू में जेमी ने एक डरावना किस्सा साझा किया है. जिसमें एक शख्स ने उन्हें ऑडिशन के बहाने जाल में फंसाने की कोशिश की थी. इस दौरान एक्ट्रेस बेहद डर गईं थी, और उसके बाद उन्होंने जो कुछ बताया वो काफी डराने वाला है.

जेमी ने बताई इंडस्ट्री की सच्चाई

जेमी ने बताया कि करियर के शुरुआती दौर में वह खुद ही अपने काम संभालती थीं, उन्होंने किसी मैनेजर को नहीं रखा हुआ था. एक दिन उन्हें किसी शख्स का कॉल आया, जिसने दावा किया कि वह एक बड़े इंटरनेशनल प्रोजेक्ट के लिए उन्हें कास्ट करना चाहता है, क्योंकि जेमी उस किरदार में बिल्कुल फिट बैठती हैं.

वीडियो कॉल पर हुआ ऑडिशन

जिसके बाद जेमी से कहा गया, कि इसके लिए उनका एक ऑडिशन होगा, जो वीडियो कॉल पर लिया जाएगा. जेमी बोलीं इस तरह के अवसर हमारे लिए बहुत इंपॉर्टेंट होते हैं, इसी वजह से मैंने इस ऑडीशन के लिए हां बोल दिया था.

कैमरे के सामने रखी गई ये डिमांड

इस के बाद जेमी को वीडियो कॉल का लिंकआया. जेमी ने कॉल शुरू की, लेकिन दूसरी साइड से जिसकी वीडियो कॉल आई थी, उसने अपना वीडियो बंद रखा हुआ था, उसने बहाना बनाया कि वह सफर में है.

बोल्ड एक्ट को शूट करने की मांग

इस वजह से वो वीडियो ऑन नहीं करेगा, फिर जेमी से कहा गया, कि यह एक बोल्ड किरदार है. जिसमें जेमी को ऐसा एक्ट करना होगा कि वो किसी 50 साल के आदमी को इंप्रेस कर रही हों.

बिना स्क्रिप्ट के एक्टिंग को बोला गया

जेमी ने बताया कि मैंने उनसे कहा कि मुझे स्क्रिप्ट दो, जिसके बाद मैं एक्ट कर सकूंगी उस स्क्रिप्ट के हिसाब से, तो उनसे कहा गया कि आप बिना स्क्रिप्ट के ही एक्टिंग करके दिखाइए.

ये बातचीत यहीं नहीं रुकी, सामने से एक डिमांड और रखी गई, उस आदमी ने कहा कि आप इस सीन के लिए अपने कपड़े उतार सकती हैं, यानी उस शख्स ने जेमी से कपड़े उतारने तक की बात कर दी.

जेमी से की गंदी डिमांड

इस पर जेमी ने साफ कहा, कि वह ऐसा कुछ स्क्रिप्ट के बिना नहीं करेंगी, लेकिन सामने वाला टस से मस नहीं हुआ. उसने कहा, कोई स्क्रिप्ट नहीं है, जो कहना है कहो, जो करना है करो...

जेमी ने समझा पूरा मामला

इतनी देर में जेमी काफी कुछ समझ चुकी थी, कि ये शायद उनके साथ धोखाधड़ी हो रही है. इसलिए उन्होंने बिना समय गवाय कॉल को डिसकनेक्ट कर दिया.

बेबी जॉन में वरुण निभा रहे हैं दमदार किरदार

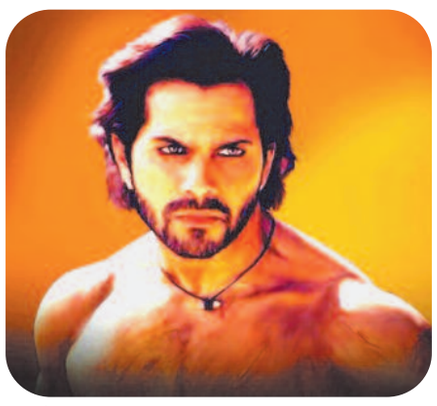

तैयार हो जाइए एक ब्लॉकबस्टर मसाला एंटरटेनर के लिए, क्योंकि वरुण धवन ला रहे हैं स्वैग, कॉमेडी और नॉन-स्टॉप एक्शन से भरपूर 'बेबी जॉन', जिसका वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर हो रहा है इस रविवार, 27 जुलाई को रात 8 बजे, सिर्फ ज़ी सिनेमा पर।

सवाल: 'बेबी जॉन' में आप एक रॉ, लेकिन इमोशनल किरदार में नजर आ रहे हैं। इस रोल से आपका क्या जुड़ाव रहा और यह कहानी आपके लिए खास क्यों है?

➢ जवाब: जब मैं छोटा था, मुझे 'हम' फिल्म बहुत पसंद थी। उस फिल्म में अमिताभ बच्चन सर का किरदार लगभग डबल रोल जैसा था और वह मेरे ज़हन में बस गया। 'बेबी जॉन' में भी वैसी ही थीम्स हैं। साथ ही, इस फिल्म में इस देश में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर एक गहरी बात कही गई है। फिल्म में एक्शन, इमोशन, ड्रामा सब कुछ है। यही वजह है कि मैं इसे इंडियन थाली कहता हूँ, हर फ्लेवर से भरपूर।

सवाल: आपने एक पिता की जिम्मेदारी को बड़े सहज अंदाज़ में अपनाया है। क्या इसने 'बेबी जॉन' के किरदार को आपके लिए और पर्सनल बना दिया?

➢ जवाब: मेरे लिए 'बेबी जॉन' बहुत पर्सनल हो गई है। अब जब मैं असल ज़िंदगी में भी एक बेटी का पिता हूँ और फिल्म में भी एक गर्ल डैड का किरदार निभा रहा हूँ, तो यह इमोशन और भी गहराई से महसूस होता है। महिलाओं के साथ अन्याय देखकर मेरा खून खौलता है। यह सिर्फ फिल्म का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह एक सच्चा जज़्बात है, जो मेरे अंदर से आता है। हमें दुनिया को और ज्यादा महफूज़ और सबके लिए समान बनाना ही होगा। और सच कहूँ, तो एक पिता बनने के बाद नज़रिया ही बदल जाता है, जैसे दुनिया को नए चश्मे से देख रहा हूँ।

सवाल: 'मैं तेरा हीरो' के श्रीनाथ प्रसाद या 'जुड़वा 2' के राजा जैसे किरदारों से 'बेबी जॉन' के डीसीपी सत्या वर्मा तक का सफर कैसा रहा?

➢ जवाब: इन किरदारों और फिल्मों की वजह से मुझे खुद को एक्सप्रेस करने का पूरा मौका मिला। मैं हमेशा से मास एंटरटेनर करना पसंद करता हूँ। वह एनर्जी और मस्ती मुझे खूब भाती है। लेकिन, 'बेबी जॉन' में मैं खुद को एक कदम आगे ले जाना चाहता था। डीसीपी सत्या वर्मा के कई पहलू हैं। वह सिर्फ एक्शन नहीं करता, बल्कि वह गिल्ट, दर्द और गुस्से का बोझ भी उठाए हुए है।

हाँ, इसमें बहुत सारी फिज़िकल तैयारी लगी, लेकिन उससे भी ज्यादा, मुझे दिमागी तौर पर एक ऐसे ज़ोन में जाना पड़ा, जिसे पहले कभी एक्सप्लोर नहीं किया था। इस सफर को और करीब से जानने के लिए देखिए 'बेबी जॉन' का वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर, इस रविवार 27 जुलाई को रात 8 बजे, सिर्फ ज़ी सिनेमा पर.

दिल बेचारा के पाँच साल पूरे...किज़ी बसु के किरदार से

सबका दिल जीतने वाली संजना सांघी का भावुक सफर

फिल्म दिल बेचारा को रिलीज़ हुए पाँच साल पूरे हो चुके हैं। यह एक ऐसी फिल्म है, जिसने न सिर्फ करोड़ों दिलों को छू लिया, बल्कि संजना सांघी के लिए बतौर लीड एक्ट्रेस एक यादगार और भावनात्मक डेब्यू भी साबित हुआ। किज़ी बसु के किरदार में कदम रखते हुए, संजना ने एक ऐसा अभिनय दिया, जिसने दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ी और उन्हें भारतीय सिनेमा की स्मृतियों में एक खास स्थान दिला दिया। दिल बेचारा कई लोगों के लिए एक भावनात्मक यात्रा थी और संजना सांघी उस कहानी की आत्मा थीं। निर्देशक मुकेश छाबड़ा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में उन्होंने एक ऐसी लड़की का किरदार निभाया, जो थायरॉइड कैंसर से जूझ रही होती है, लेकिन उसके अंदर जीने की जिद, नर्मी और एक खास चमक सब कुछ पार कर जाती है। संजना ने किज़ी के किरदार को सिर्फ निभाया ही नहीं, बल्कि उसे जीया भी।

दर्शकों ने उसके साथ हँसी, डर, प्यार और दर्द सब महसूस किया। फिल्म की 5वीं वर्षगाँठ पर संजना ने कहा, दिल बेचारा के बाद ये पाँच साल मेरे लिए बेहद खास भी रहे और चुनौतीपूर्ण भी। चूँकि, मैं मुंबई से नहीं हूँ, इसलिए इस नए शहर में मैंने अकेले रहकर अपना रास्ता बनाया है, वह भी हर दिन खुद को समझते, सीखते और बदलते हुए। मुझे मिले हर एक मौके के लिए मैं संबंधित लोगों की बेहद आभारी हूँ और मैंने उनमें अपनी पूरी ताकत झोंकी है। किज़ी बसु के फैन्स का प्यार मेरी सबसे बड़ी ताकत बना रहा है। हाँ, घर यानि दिल्ली में कई पल मिस किए हैं, लेकिन मुंबई ने मुझे एक नई फैमिली दी है, जिसे मैं हमेशा अपने पास संजोकर रखती हूँ। दिल बेचारा सिर्फ एक फिल्म नहीं, एक एहसास है, और इस एहसास को जीवंत बनाने में संजना की संजीदगी और सच्चाई से भरी परफॉर्मेंस की बड़ी भूमिका रही। पाँच साल बीत जाने के बाद भी, किज़ी की यह कहानी और संजना का अभिनय दर्शकों के दिलों में आज भी जिंदा है और यही उनकी ताकत, प्रतिभा और भावनात्मक जुड़ाव का प्रमाण भी है।

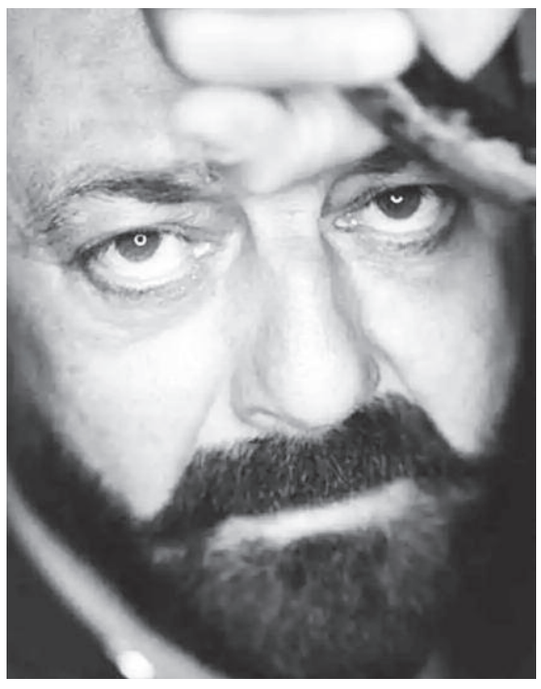

संजय दत्त को सन ऑफ सरदार 2 में काम नहीं करने का अफसोस?

अजय देवगन अपनी अपकमिंग फिल्म सन ऑफ सरदार 2 को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उनकी इस फिल्म का दूसरा ट्रेलर जारी किया गया है। इसे दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। एक्शन हीरो अजय देवगन के फैंस इस पर उन्हें बधाई दे रहे हैं। ऐसे में संजय दत्त ने इस फिल्म के लिए अजय देवगन को बधाई दी है और पोस्ट में दिल की बात लिखी है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर सन ऑफ सरदार 2 का दूसरा ट्रेलर शेयर करते हुए संजय दत्त ने कैप्शन में लिखा है सन ऑफ सरदार 2 के लिए आपको बधाई राजू, अगर इसे हम एकसाथ करते तो और भी मजा आता। संजय दत्त की इस पोस्ट पर कई यूजर्स कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है बाबा तीसरे पार्ट में आप को ही होना चाहिए। एक और यूजर ने लिखा है इसमें बाबा को होना चाहिए था। मैं तुम्हें पसंद करता हूं बाबा।

कम फिल्में करके भी खुश हैं विद्या?

बातचीत में विद्या बालन ने अपने मौजूदा करियर फेज को लेकर बात की है। वह कहती हैं, 'मैं बहुत ही ज्यादा उम्मीद रखने वाली इंसान हूं, मैं काफी आशावादी हूं। मुझमें बहुत कॉन्फिडेंस है। मैंने अपनी पूरी एबिलिटी के साथ काम किया है। लोगों ने मुझे कहा कि खुद पर काम करना चाहिए, मुझे अपना वजन कम करना चाहिए। मैंने लोगों के सजेशन को सुना, इन बातों ने मुझे आगे बढ़ने में मदद की। मुझे अब भी लीड रोल मिल रहे हैं, मैं किसी भी तरह की इनसिक्योरिटी से परेशान नहीं हूं।' अपने अटूट आत्मविश्वास के बल पर ही उन्होंने वर्षों तक एक ऐसे उद्योग में काम किया है जहाँ अक्सर दिखावे को लेकर जुनून सवार रहता है। और अब, वर्षों में पहली बार, विद्या ने कहा कि वह तनाव-मुक्त दौर का आनंद ले रही हैं। अपने जीवन में पहली बार, मैं तनाव का अनुभव नहीं कर रही हूँ। जाने-अनजाने, हम बहुत तनाव से गुज़रते हैं। मैं इस दौर का आनंद ले रही हूँ। मैं पटकथाएँ पढ़ रही हूँ, लोगों से मिल रही हूँ, और मैंने दो फ़िल्में तय कर ली हैं। विद्या ने कहा, दुर्भाग्य से, मैं अभी इस बारे में बात नहीं कर पा रही हूँ। पिछले साल विद्या बालन फिल्म 'भूल भुलैया 3' में नजर आईं। इस साल वह रितेश देशमुख के साथ एक फिल्म 'राजा शिवाजी' कर रही हैं। यह फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराजा पर आधारित है।

इन दिनों विद्या बालन को उनके फैंस बड़े पर्दे पर कम और इंस्टाग्राम रील पर ज्यादा देख रहे हैं। रील बनाने के प्रोसेस को भी विद्या बालन एंज्वॉय कर रही हैं। हालिया एक इंटरव्यू में अपने करियर में लिए गए इस ब्रेक के बारे में विद्या ने कई सारी बातें साझा की हैं।

'वॉर 2' का धमाकेदार ट्रेलर आउट, ऋतिक-एनटीआर के बीच दिखी जबरदस्त टक्कर

बहुप्रतीक्षित फिल्म वॉर 2 का ट्रेलर शुक्रवार को रिलीज हो चुका है, जिसमें ऋतिक रोशन और एनटीआर जूनियर ने 'भारत पहले' का संदेश दिया। ट्रेलर में दोनों सैनिकों की भूमिका में एक-दूसरे को टक्कर देते और देश सबसे पहले की बात कहते नजर आए। 2 मिनट से अधिक लंबे ट्रेलर की शुरुआत ऋतिक की परछाई और एनटीआर के 'हथियार' बनने की शपथ के साथ होती है। ट्रेलर में एक्शन सीन और हथियारों की झलक दिखाई गई है, लेकिन कहानी का ज्यादा खुलासा नहीं हुआ। यह साफ है कि दोनों सैनिक हैं, जिनके लिए देश सर्वोपरि है।

ट्रेलर में कियारा आडवाणी, ऋतिक के साथ रोमांस करती और एक्शन में भी दिखी। वहीं, टाइगर श्रॉफ की तस्वीर के जरिए उनकी विशेष उपस्थिति दिखाई गई, जहां ऋतिक का किरदार कबीर उन्हें याद करता नजर आता है।

ट्रेलर के अंत में भगवद गीता का श्लोक कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन भी उल्लेख है, जिसका अर्थ है कि कर्म करना तुम्हारा अधिकार है, फल की चिंता मत कर। यह श्लोक बिना परिणाम की चिंता किए कर्तव्य पर ध्यान देने की बात कहता है। ऋतिक और एनटीआर ने इंस्टाग्राम पर ट्रेलर शेयर करते हुए लिखा, तूफान के लिए तैयार हो जाइए, वॉर शुरू हो गया है! वॉर 2 ! यह 14 अगस्त को हिंदी के साथ तेलुगू और तमिल भाषा में सिनेमाघरों में रिलीज होगा। अयान मुखर्जी के निर्देशन में बनी वॉर 2 यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है। यह साल 2019 की ब्लॉकबस्टर वॉर का सीक्वल है, जिसमें ऋतिक और टाइगर मुख्य भूमिका में हैं। वॉर 2 यशराज फिल्म के स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है। इस फिल्म के जरिए जूनियर एनटीआर बॉलीवुड में अपनी शुरुआत कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन अयान मुखर्जी ने किया है। ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की अपकमिंग एक्शन ड्रामा वॉर-2 भारत में डॉल्बी सिनेमा में रिलीज होगी। यह ऐसा करने वाली पहली भारतीय फिल्म बनी है।

साभार एजेंसी

रणवीर सिंह की अगली फिल्म में दिखेंगी

साउथ एक्ट्रेस श्रीलीला

रणवीर सिंह के खाते में अभी कई फिल्में हैं। स्टु र एक मेगा प्रोजेक्ट बॉबी देओल के साथ भी है। इस फिल्म में एक साउथ की हसीना की एंट्री हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... श्रीलीला, रणवीर और बॉबी के साथ एक बड़े प्रोजेक्ट से जुड़ चुकी हैं। खास बात ये है है कि तीनों ही एक्टर्स अपने किरदारों के लिए खुद को पूरी तरह से ढलने में जुटे हैं। इस फिल्म की डिमांड ही ऐसी है कि इसमें उनसे वो जोश और बदलाव देखने को मिलेगा, जो अब तक कभी नहीं देखा गया। हालांकि, फिल्म का टाइटल अभी तक रिवील नहीं किया गया है और ना ही यह बताया गया है कि इसका निर्देशन कौन कर रहा है। बता दें कि श्रीलीला जल्द ही साउथ फिल्मों से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। वह अपनी पहली हिंदी फिल्म कार्तिक आर्यन के साथ कर रही हैं जिसका टाइटल रिवील नहीं हुआ है लेकिन माना जा रहा है कि यह आशिकी 3 है। इस फिल्म का निर्देशन अनुराग बसु कर रहे हैं।